RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः339, शनिवार, 24 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

"या देवी शारदे रूपेण संस्थिता..." सरस्वती पूजा भक्तिमय माहौल में संपन्न... 03

अरेराजः बसंत पंचमी मेले की तैयारियों को लेकर एसडीएम ने किया सोमेश्वरनाथ मंदिर ... 04

डेटिंग के लिए प्रोफेशन नहीं, इंसान मायने रखता हैः शिवांगी जोशी 07

भोजशाला में 10 साल बाद नमाज-पूजा साथ-साथ

● शाम तक हवन-पूजन चला, नमाजियों के साथ रही पुलिस ● श्रद्धालु गद्गद, बोले-आनंदपूर्वक मां वाग्देवी के दर्शन किए

धार (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के धार में विवादित धार्मिक स्थल भोजशाला में बसंत पंचमी पर शुक्रवार को पूजा और नमाज के लिए विशेष व्यवस्था की गई। हिंदू श्रद्धालुओं ने सूर्योदय के साथ वाग्देवी (सरस्वती) पूजा की। हवन और पाठ सूर्यास्त तक किए गए। एक अलग क्षेत्र में सुरक्षा के बीच जुमे की नमाज भी अता कराई गई।

आमतौर पर बसंत पंचमी पर पूजा और जुमे के दिन नमाज की अनुमति रहती है, लेकिन दोनों एक दिन पड़ते हैं तो तनाव की स्थिति बनती है।

भोजशाला कैंपस और धार शहर में स्थानीय पुलिस के साथ सीआरपीएफ और रैपिड एक्शन

फोर्स के 8000 से ज्यादा जवान तैनात रहे। सीसीटीवी, ड्रोन और एआई तकनीक से निगरानी की जा रही है। इससे पहले गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की याचिका पर सुनवाई करते हुए हिंदू पक्ष को सूर्योदय से सूर्यास्त तक वाग्देवी की पूजा की अनुमति दी थी। मुस्लिम पक्ष को दोपहर 1 से 3 बजे तक जुमे की नमाज अता करने की इजाजत थी। धार जिला प्रशासन ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया- माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार बसंत पंचमी के अवसर पर हिंदू समुदाय का परिसर में नियत स्थान पर निर्विघ्न कार्यक्रम चला।

उज्जैन के तराना में दो समुदायों में तनाव,बस फूंकी

● पूर्व पार्षद की दुकान में लगी आग,भीड़ ने पत्थर बरसाए

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन के तराना कस्बे में गुरुवार रात शुरू हुआ विवाद शुक्रवार दोपहर बाद हिंसा में बदल गया। हालात उस समय बेकाबू हो गए, जब एक दुकान में आग लग गई और बस को फूंक दिया गया।

आगजनी के बाद दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया, जिसमें एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। गुरुवार रात एक युवक से मारपीट की घटना के बाद दो समुदाय आमने–सामने आ गए थे। इस दौरान उपद्रवियों ने 13 बसों में तोड़फोड़ की। शुक्रवार को तनाव

और बढ़ गया, जब हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने तराना थाने का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों का जुलूस निकालने और उनके घर तोड़ने की मांग की। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुंचे और नारेबाजी की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से शुक्रवार को बाजार बंद रखने का फैसला किया। क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

नेशनल सिक्योरिटी का मतलब देश की जनता की सुरक्षा:सीडीएस

● जेएनयू में गरजे सीडीएस अनिल चौहान नेताजी को किया याद ● कहा-आज की दुनिया में नेताजी की आक्रामक कूटनीति महत्वपूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर शुक्रवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में एक जोरदार स्पीच दी। उन्होंने कहा कि आज भी जब भारत दुनिया की बदलती और अनिश्चित

परिस्थितियों से गुजर रहा है, तब नेताजी की आक्रामक कूटनीति और यथार्थवादी सोच बहुत काम की है। नेताजी ने एक सरकार बनाई, सेना तैयार की, हमले की योजना बनाई, समझौते किए और सेना के लिए सामान की व्यवस्था की। इससे पता चलता है कि राजनीतिक सोच, चतुर कूटनीति और सेना की कार्रवाई आपस में कितनी जुड़ी हुई थीं। जनरल चौहान ने कहा कि नेताजी एक बेहतरीन सैन्य नेता थे। उन्होंने यह भी कहा कि इंडियन नेशनल आर्मी की उपलब्धियों का भारत की आजादी में जो योगदान है, उसे अभी पूरी तरह से समझा नहीं गया है। सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मतलब अब सिर्फ जमीन की रक्षा नहीं है, बल्कि देश की जनता और उसकी विचारधारा की सुरक्षा भी है। उन्होंने यह भी बताया कि इंडियन नेशनल आर्मी ने सबसे ज्यादा नुकसान झेला था, जो किसी भी सेना के लिए सबसे ज्यादा था। जनरल चौहान ने कहा कि उन्होंने एक सैन्य इतिहास पढ़ा था।

अब केरल में भी भाजपा सरकार की नींव पड़ गई

पीएम बोले-जैसे 1987 में अहमदाबाद के बाद गुजरात जीता

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम में 55 मिनट की स्पीच में कहा, 'केरल में मुझे नई उम्मीद दिख रही है। आपका जोश यह विश्वास दिलाता है कि अब केरल में बदलाव होकर रहेगा। यहां लेफ्टिस्ट इको सिस्टम को मेरी बात गले नहीं उतरेगी। लेकिन मैं आपको मजबूती के साथ तर्क और तथ्य के साथ बताऊंगा।' उन्होंने कहा, '1987 के पहले गुजरात में बीजेपी एक हाशिए की पार्टी थी। अखबार में दो लाइन नहीं छपती

थीं। 1987 में पहली बार अहमदाबाद में नगर निगम में जीत हासिल की, वैसे ही आज बीजेपी ने तिरुवनंतपुरम में हासिल की। यहां से केरल में भाजपा की नींव पड़ गई है।' केरल में इसी साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं। तिरुवनंतपुरम के साथ दशकों से लेफ्ट ने बहुत अन्याय किया। यहां की जनता को बेसिक सुविधाओं से वंचित रखा गया।

तिरुवनंपुरम के साथ दशकों से लेफ्ट ने बहुत अन्याय किया

तिरुवनंपुरम के साथ दशकों से लेफ्ट ने बहुत अन्याय किया। लेफ्ट और कांग्रेस ने करप्शन के चलते यहां की जनता को बेसिक सुविधाओं से वंचित रखा। अब ऐसा नहीं होगा। हमारी टीम ने विकसित केरल पर काम करना शुरू कर दिया है। मैं यहां की जनता से कहता हूं कि आप विश्वास रखिए जो अब तक नहीं बदला, वो अब बदलेगा। तिरंवनंतपुरम पूरे देश के लिए मॉडल सिटी बनेगा। करप्शन ने केरल के डेवलेपमेंट पर ब्रेक लगा दी है। बैंकों में घोटाले करके गरीबों का पैसा लूटा गया। किसी ने बच्चों की पढ़ाई तो किसी ने बिटिया की शादी के लिए पैसा रखा था। वो भी कांग्रेस और लेफ्ट ने लूट लिया। ऐसे लोगों को कड़ी सजा देना जरूरी है।

अब तक 21 ढेर, झारखंड में नक्सलियों पर कहर

मौत बनकर बरसे सुरक्षाबल,पूरी टोली ही घिर गई

चाईबासा (एजेंसी)। झारखंड के सारंडा जंगल में छिपे नक्सलियों पर मौत बरस पड़ी है। 36 घंटे से जारी मुठभेड़ में अब तक 21 नक्सली मौत के घाट उतारे जा चुके हैं। गुरुवार को 15 की मौत की पुष्टि के बाद शुक्रवार को 6 और शव बरामद किए गए हैं। सिर पर 2 करोड़ से ज्यादा इनाम वाला खूंखार नक्सली अनल यहां 25 लड़ाकों संग घिर गया था। अनल समेत 21 मारे जा चुके हैं। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में सारंडा के घने जंगलों में दो दर्जन नक्सलियों के साथ पतिराम मांझी उर्फ अनल दा को घेर लिया गया था। सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन में इन्हें घेर लिया। नक्सलियों की ओर से फायरिंग के बाद सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई से खलबली मचा दी। 2.35 करोड़ रुपये के इनाम वाला

अनल दा भी मारा गया। उस पर झारखंड सरकार ने एक करोड़ रुपये, ओडिशा सरकार ने 1.2 करोड़ रुपये और नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) ने 15 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

अध्यक्ष बदलते ही चुनावी मोड में आ गई भाजपा

बंगाल से लेकर तमिलनाडु-केरल तक का प्लान तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा में नए अध्यक्ष की ताजपोशी के बाद अब चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। दो माह बाद होने वाले पांच राज्य विधानसभाओं के चुनाव के लिए पार्टी के शीर्ष नेताओं के दौरों में तेजी आ गई है। इस माह के बाकी दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह एवं पार्टी अध्यक्ष

नितिन नवीन चुनावी राज्यों के दौरे पर रहेंगे। मोदी केरल और तमिलनाडु, नवीन पश्चिम बंगाल और अमित शाह असम तथा पश्चिम बंगाल के दौरे करेंगे। दक्षिण व पूर्वी भारत के पांच विधानसभाओं के चुनाव में भाजपा को जहां दक्षिण में खुद के साथ एनडीए को खड़ा करना है, वहीं पूर्वी मोर्चे पर पश्चिम बंगाल का पांच साल पहले देखा सपना पूरा करना है। कर्नाटक में सत्ता से बाहर होने के बाद भाजपा केंद्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी को छोड़कर दक्षिण भारत के सत्ता समीकरणों से बाहर हो गई है। ऐसे में वह तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के साथ सत्ता हासिल करने के लिए जोर आजमाइश कर रही है। भाजपा ने तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक को गठबंधन विस्तार के लिए तैयार कर लिया है और प्रधानमंत्री के दौरे के पहले राज्य के चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने टीवीवी दिनाकरण के नेतृत्व वाली एएमएमके को भी एनडीए के साथ जोड़ लिया। पीएमके पहले से ही एनडीए में है। गोयल की आईजेके के नेता पी. वेंथम से भी मुलाकात हुई है। अब अन्नाद्रमुक के बाकी धड़ों को भी जोड़ने का काम चल रहा है।

शशि थरूर केरल कांग्रेस की बैठक में शामिल नहीं होंगे

● दावा-राहुल गांधी से नाराज,19 जनवरी को राहुल ने कोच्चि में नाम नहीं लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीनियर कांग्रेस लीडर और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर शुक्रवार को केरल विधानसभा चुनावों को लेकर होने वाली पार्टी की अहम रणनीतिक बैठक में शामिल नहीं होंगे। सूत्रों के मुताबिक थरूर हालिया घटनाक्रम से नाराज हैं। खासकर कोच्चि में हुए उस कार्यक्रम से जिसमें राहुल गांधी ने उनका नाम नहीं लिया था। पीटीआई सूत्रों का कहना है कि 19 जनवरी को कोच्चि में आयोजित महापंचायत कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने मंच पर मौजूद कई वरिष्ठ नेताओं का नाम लिया लेकिन शशि थरूर को नजरअंदाज कर दिया था।

थरूर के करीबी सूत्रों के मुताबिक यह घटना उनके लिए टिपिंग पॉइंट साबित हुई। इससे पहले भी राज्य के कुछ नेता उन्हें नजरअंदाज करने की कोशिश कर चुके हैं, जिससे वह असहज महसूस कर रहे थे। इस मामले पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि केरल कांग्रेस के सभी बड़े नेता मीटिंग में आ रहे हैं।

5 दिन से धरने पर बैठे

अविमुक्तेश्वरानंद को तेज बुखार

● 5 घंटे बाद वैनिटी वैन से बाहर आए,वसंत पंचमी पर संगम स्नान नहीं किया

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज माघ मेले में 5 दिन से धरने पर बैठे अविमुक्तेश्वरानंद की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें तेज बुखार है। शिष्यों ने बताया, अविमुक्तेश्वरानंद सुबह 10 बजे वैनिटी वैन में चले गए। डॉक्टरों के कहने पर दवा खाई, आराम किया। वसंत पंचमी के चलते बड़ी संख्या में शिष्य अविमुक्तेश्वरानंद का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे थे। हालांकि, जब उनको पता चला कि अविमुक्तेश्वरानंद वैनिटी वैन से बाहर नहीं आए तो वैन के बाहर भीड़ लग गई।

करीब 5 घंटे बाद अविमुक्तेश्वरानंद वैनिटी वैन से

बाहर आए और पालकी पर बैठ गए हैं। इधर, माघ मेला प्रशासन से शंकराचार्य विवाद पर उनका टकराव खत्म खत्म नहीं हो रहा है। वसंत पंचमी पर उन्होंने संगम स्नान भी नहीं किया। अविमुक्तेश्वरानंद ने कल कहा था- जब तक प्रशासन माफी नहीं मांगता, तब तक मैं स्नान नहीं करूंगा। प्रशासन नोटिस-नोटिस खेल रहा है। अभी मेरा मौनी अमावस्या का स्नान नहीं हुआ है, तो मैं वसंत का स्नान कैसे कर लूं। हालांकि, दो नोटिस भेजने के बाद से प्रशासनिक अफसर इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे हैं। अविमुक्तेश्वरानंद माघ मेले में सवा लाख मिट्टी के शिवलिंग स्थापित करने के लिए लेकर आए थे। हालांकि, मौनी अमावस्या को हुए विवाद के बाद वह स्थापित नहीं कर पाए हैं। इससे पहले, गुरुवार को सीएम योगी ने अविमुक्तेश्वरानंद का नाम लिए बिना कहा था कि किसी को परंपरा बाधित करने का हक नहीं।

ब्रिक्स नौसैनिक अभ्यास पर जमकर मचा बवाल

● दक्षिण अफ्रीकी सेना ने राष्ट्रपति से की 'बगावत'! ● भारत ने बनाई थी दूरी, दक्षिण अफ्रीका है मेजबान

केपटाउन (एजेंसी)। चीन, रूस, ईरान और कई ब्रिक्स देशों के जंगी जहाजों ने 9 से 16 जनवरी तक नौसैनिक अभ्यास किया था। ब्रिक्स देशों का यह अभ्यास दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी में उसके समुद्री तट पर किया गया। हालांकि ब्रिक्स के अहम सदस्य भारत के इसमें शामिल ना होने का फैसला लिया। अब दक्षिण अफ्रीका में ही इस अभ्यास पर बवाल शुरू हो गया है। दक्षिण अफ्रीका ने ब्रिक्स देशों के जॉइंट नेवल ड्रिल में ईरान की भागीदारी की जांच शुरू की है। ईरान की हिस्सेदारी को कथित तौर पर राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के आदेशों के खिलाफ बताया गया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, साउथ अफ्रीका

नियमित रूप से रूस और चीन के साथ ड्रिल करता है लेकिन यह अभ्यास ऐसे समय हुआ, जब अमेरिका का ईरान के साथ तनाव चरम पर था। ईरान में उस समय बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे और अमेरिकी राष्ट्रपति इनमें दखल की धमकी दे रहे थे। डोनाल्ड ट्रंप ब्रिक्स के आलोचक रहे हैं और नौसैनिक अभ्यासों की आलोचना करते रहे हैं। ऐसे में अभ्यास ने उनका गुस्सा बढ़ा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 9-16 जनवरी तक ब्रिक्स नौसैनिक अभ्यास की मेजबानी की। दक्षिण अफ्रीका के संयुक्त कार्य बल के कमांडर कैप्टन नंडवाखुलु थॉमस थामाहा ने उद्घाटन समारोह में कहा कि यह ऑपरेशन सिर्फ एक सैन्य अभ्यास नहीं था।

अमेरिका की दक्षिण अफ्रीका से नाराजगी

अमेरिका का ट्रंप प्रशासन इस बात से नाराज हुआ कि दक्षिण अफ्रीका ने ईरान को ऐसे समय ड्रिल्स में भाग लेने की अनुमति दी जब वहां सरकार प्रदर्शनों को बलपूर्वक रोक रही थी। दक्षिण अफ्रीकी अखबार डेली मेवरिक की रिपोर्ट के अनुसार, अभ्यास से पहले ही अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा को चेतावनी दी थी कि ईरान की भागीदारी उनके देश पर बुरा असर डाल सकता है। अमेरिका की चेतावनी के बाद रामफोसा ने 9 जनवरी को ईरान को अभ्यास से हटाने का आदेश दिया। उस समय तक तीन ईरानी जहाज दक्षिण अफ्रीका में तैनात किए जा चुके थे। देखा गया कि इन जहाजों ने भाग लेना जारी रखा। इस पर 15 जनवरी को दक्षिण अफ्रीका स्थित अमेरिकी दूतावास ने दक्षिण अफ्रीकी सेना पर देश की सरकार के आदेशों के उलट ईरान के साथ दोस्ती बढ़ाने का आरोप लगाया। अमेरिकी दूतावास के 15 जनवरी के बयान में कहा गया कि यह विशेष रूप से शर्मनाक है कि दक्षिण अफ्रीका ने ईरानी सुरक्षा बलों का स्वागत किया। यही बल ईरानी नागरिकों को शांतिपूर्ण राजनीतिक गतिविधि में शामिल होने के लिए गोली मार रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका ईरान के साथ दोस्ती बढ़ाते हुए दुनिया को न्याय पर भाषण नहीं दे सकता है। अफ्रीका की रामाफोसा सरकार को देश में भी इस अभ्यास पर विरोध का सामना करना पड़ा।

गणतंत्र दिवस पर पहली बार नजर आएगा भारत का एस-400

● पाकिस्तान को गहरे जख्मों की याद दिलाएगी इस बार की परेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा समय में दुनिया की सबसे धांसू वायु रक्षा प्रणाली एस-400 ने बीते साल मई के महीने में पाकिस्तान को गहरा जख्म दिया था। भारत और पाकिस्तान के बीच मई में बनी युद्ध जैसी स्थिति के दौरान इस एयर डिफेंस सिस्टम ने भारतीय सशस्त्र बलों का बखूबी साथ निभाया और पाकिस्तान के कायराना हमलों को पूरी तरह नाकाम कर दिया था। अब यह एयर डिफेंस सिस्टम इंडिया गेट पर भारत की शान में चार चांद लगाने जा रहा है। एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम पहली बार गणतंत्र दिवस की परेड में दिखाई देखा। जानकारी के

मुताबिक 'सुदर्शन चक्र' के नाम से जाने जानी वाली यह वायु रक्षा प्रणाली डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स की झांकी में दिखाई जाएगी। एयर कॉमोडोर मनीष सभरवाल ने बताया कि यह सिस्टम रिपब्लिक डे परेड 2026 में खास आकर्षण होगा। इस साल डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स ट्राई-सर्विसेज टेब्लो, ऑपरेशन सिंदूर को दर्शाएगी। इसमें थल सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच बेहतर तालमेल और संयुक्त ऑपरेशन की सफलता दिखेगी।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में ठंड से राहत, न्यूनतम तापमान 8 डिग्री पहुंचा

पटना। बिहार में मौसम फिलहाल साफ है। दिन में तेज धूप निकलने से ठंड से राहत मिली है। हालांकि, रात के तापमान में अभी गिरावट देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने आज यानी शुक्रवार को किसी भी जिले में कोहरे को लेकर अलर्ट जारी नहीं किया है। हालांकि, मौसम विभाग के मुताबिक, तेज वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के चलते 23 और 24 जनवरी को हिमालयी क्षेत्र में कुछ जगहों पर बर्फबारी की संभावना है। जिससे प्रदेश के कुछ जिलों में ठंड बढ़ सकती है। अगले 48 घंटे में बारिश के भी आसार हैं। 24 घंटे में 8 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ किशनगंज सबसे ठंडा रहा है। वहीं, वैशाली का तापमान 9.8 डिग्री दर्ज किया गया। लखनऊ रेल मंडल में चल रहे नॉन-इंटरलॉकिंग (NI) कार्य के कारण रेलवे ने आज और 24 जनवरी बिहार से चलने वाली कई ट्रेनों का रूट बदला गया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, उत्तर भारत में इस समय कोई मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं है। पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर रहने की वजह से बिहार में न तो बारिश हो रही है और न ही ठंड बढ़ रही। उत्तर-पश्चिमी हवाएं सामान्य गति से चल रही हैं, जिससे रात के तापमान में हल्की गिरावट तो हो रही है, लेकिन दिन में धूप के कारण ठंड का असर कम हो जा रहा है। इसी कारण सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस की जा रही है, जबकि दिन का मौसम सामान्य बना हुआ है।

डिस्कस-जैवलिन थ्रो, शॉटपुट-हाई जंप में करें प्रतिभाग

♦ सोनपुर मंडल में इंटर डिपार्टमेंटल एथलेटिक्स प्रतियोगिता, 22 से 25 तक रेलवे स्टेडियम में आयोजन

हाजीपुर। सोनपुर मंडल क्रीड़ा संघ द्वारा इंटर डिपार्टमेंटल एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। यह स्पर्धा 22 से 25 जनवरी तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से रेलवे स्टेडियम, सोनपुर में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में पूर्व मध्य रेलवे, सोनपुर मंडल के विभिन्न विभागों के पुरुष एवं महिला रेलवे कर्मचारी हिस्सा लेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों में खेल भावना को प्रोत्साहित करना, उनकी प्रतिभाओं को सामने लाना, तथा उनके सर्वांगीण विकास के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली और टीम भावना को बढ़ावा देना है। पुरुष एवं महिला वर्ग के लिए विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाएं निर्धारित की गई हैं। इनमें 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर और 800 मीटर दौड़ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, शॉटपुट, हाई जंप और लॉन्ग जंप भी आयोजित की जाएंगी। 4×100 मीटर और 4×400 मीटर की रिले रेस भी प्रतियोगिता का हिस्सा होंगी। स्पर्धाओं का आयोजन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अलग-अलग दिनों में किया जाएगा, जिससे सभी प्रतिभागियों को निष्पक्ष अवसर मिल सके। प्रतियोगिता के पहले दिन कुछ ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं के साथ मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इच्छुक कर्मचारी रेलवे स्टेडियम, सोनपुर पहुंचकर समय से पहले अपना पंजीकरण करा सकते हैं। मंडल क्रीड़ा संघ, सोनपुर का मानना है कि यह आयोजन रेलवे कर्मचारियों में खेलों के प्रति उत्साह और ऊर्जा का संचार करेगा। सोनपुर मंडल खेलों के माध्यम से अपने कर्मचारियों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए निरंतर प्रयास करता रहा है। यह प्रतियोगिता न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करेगी, बल्कि आपसी सौहार्द, टीमवर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी मजबूत करेगी।

वैशाली में 21 दिन बाद खुला स्कूल का ताला

♦ जमीन रजिस्ट्री न होने से बंद था उत्क्रमित मध्य विद्यालय, ग्रामीणों में मनाई खुशी

हाजीपुर। वैशाली के गोरौल प्रखंड स्थित भटौलिया गांव में 21 दिन बाद उत्क्रमित मध्य विद्यालय का ताला खुल गया है। ग्रामीणों के लंबे आंदोलन के बाद शनिवार सुबह ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ स्कूल को दोबारा खोला गया। इस दौरान पूरा गांव और छात्र उत्साहित नजर आए। यह मामला उत्क्रमित मध्य विद्यालय भटौलिया से जुड़ा है, जिसकी जमीन गांव के ओमप्रकाश साह के पिता ने दान की थी। हालांकि, वर्षों तक जिला प्रशासन इस जमीन की रजिस्ट्री नहीं करवा सका। रजिस्ट्री न होने के कारण विद्यालय को न तो भवन निर्माण के लिए फंड मिल पा रहा था और न ही किसी सरकारी योजना का लाभ। वर्ष 2018 से ही जमीन मालिक और ग्रामीण लगातार प्रशासनिक दफ्तरों के चक्कर काट रहे थे। वे अधिकारियों से जमीन की रजिस्ट्री करवाने का आग्रह करते रहे, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई। प्रशासन की उदासीनता से नाराज ग्रामीणों ने अंततः स्कूल के गेट पर ताला लगा दिया। 21 दिनों तक स्कूल बंद रहा, जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हुई। इस दौरान कुछ बच्चों को दूसरे स्कूलों में समायोजित किया गया था। अब 21 दिन बाद स्कूल का ताला खुलने से बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है और वे फिर से अपनी पढ़ाई के लिए स्कूल पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि अब स्कूल के लिए एक अच्छा भवन भी बन पाएगा।

वाइस प्रिंसिपल के हाथ में मैला-कुचैला राष्ट्रीय ध्वज वायरल

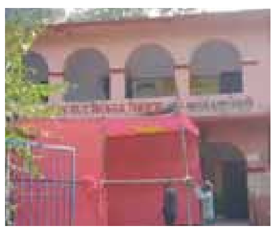

हाजीपुर। वैशाली के उत्क्रमित मध्य विद्यालय विक्रमपुर में राष्ट्रीय ध्वज के अनादर का मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में नाराजगी है। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मोहम्मद सरीफ पर राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप लगा है, हालांकि उन्होंने इन आरोपों को गलत बताया है। यह घटना गुरुवार को हुई, जब सोशल मीडिया पर एक तस्वीर तेजी से वायरल होने लगी। इस तस्वीर में प्रभारी प्रधानाध्यापक मोहम्मद सरीफ हाथ में एक मैला-कुचैला राष्ट्रीय ध्वज लिए हुए दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि इस ध्वज का उपयोग ध्वजारोहण के लिए तैयार किए जा रहे बांस के खंभे की सफाई के लिए किया जा रहा था। इसी दौरान किसी ने यह तस्वीर और वीडियो ले लिया। तस्वीर वायरल होने के बाद ग्रामीणों को घटना की जानकारी मिली। वे विद्यालय पहुंचे और घटना का विरोध किया। इस दौरान ग्रामीणों और प्रधानाध्यापक के बीच कहासुनी भी हुई। ग्रामीणों ने राष्ट्रीय ध्वज के अपमान पर आपत्ति जताई और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले की सूचना प्रखंड के बीडीओ सह प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण कुमार को दी गई। इसके बाद ब्लॉक रिसोर्स सेंटर (बीआरसी) से एक कर्मी को तथ्यों की जांच के लिए विद्यालय भेजा गया है। अधिकारी पूरे प्रकरण की गहन जांच कर रहे हैं। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मोहम्मद सरीफ ने घटना पर अपना पक्ष रखते हुए इसे एक गलतफहमी बताया। उन्होंने कहा, "विद्यार्थी जो झंडा रखे थे, उसे साफ कर रहे थे। मैंने उनसे वह झंडा ले लिया और उसे साफ करने से मना किया। मैंने विद्यार्थियों को बताया कि उनके पास दूसरा कपड़ा है, जिससे बांस के खंभे की सफाई करनी चाहिए। लेकिन विद्यार्थियों से गलती हो गई।" यह मामला संवेदनशील बना हुआ है। ग्रामीण अधिकारियों से त्वरित और कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, जबकि प्रधानाध्यापक ने इसे एक दुर्भाग्यपूर्ण भूल बताया है। प्रशासनिक जांच के बाद ही तथ्यों का स्पष्टीकरण हो पाएगा।

एसआईआर के खिलाफ सड़कों पर उतरेगी माले

एजेंसी, पटना

♦ 25 जनवरी को मनाएगी 'संविधान संकल्प मताधिकार रक्षा दिवस', देशभर में करेगी विरोध प्रदर्शन

देशभर में चल रहे SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) अभियान के तहत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने को लेकर सियासत गरमाई हुई है। विपक्ष लगातार एसएसआर पर हमलावर है। भाकपा-माले ने इसे लोकतंत्र और संविधान पर सीधा हमला बताया है। माले ने 25 जनवरी 2026 को देशभर में 'संविधान संकल्प – मताधिकार रक्षा दिवस' मनाने का ऐलान किया है।

SIR के नाम पर लोकतंत्र पर हमला- माले: माले के राज्य सचिव कुणाल ने कहा कि, 'SIR के नाम पर करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से मनमाने तरीके से काटे जा रहे हैं। यह पूरा अभियान केंद्र और राज्य सरकारों के संरक्षण में चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य गरीबों, वंचितों, अल्पसंख्यकों और प्रवासी मजदूरों को उनके मताधिकार से वंचित करना है।' ऐसे समय में जब लोकतंत्र पर हमला हो रहा है, चुनाव आयोग का 25 जनवरी को 'मतदाता अधिकार दिवस' मनाने का आह्वान करना जले पर नमक छिड़कने जैसा है। इस कार्यक्रम में राजनीतिक दलों को भी शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है, लेकिन पार्टी की केंद्रीय कमेटी ने इस "लोकतंत्र-विरोधी ढकोसले" में शामिल न होने का फैसला किया है।- कुणाल, राज्य सचिव, माले

देशभर के जिला मुख्यालयों पर होंगे विरोध कार्यक्रम: भाकपा-माले ने ऐलान किया है कि 25 जनवरी को, गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, देशभर के जिला मुख्यालयों में विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के जरिए संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के सवाल को केंद्र में रखा जाएगा और मताधिकार पर हो रहे हमलों के खिलाफ जोरदार आवाज उठाई जाएगी।

मताधिकार कोई एहसान नहीं, मौलिक अधिकार है: पार्टी का कहना है कि मताधिकार कोई दया या औपचारिक उत्सव का विषय नहीं, बल्कि नागरिकों का मौलिक अधिकार है। SIR के जरिए मतदाता सूची से नाम हटाकर लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 'संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ो - मताधिकार की रक्षा के लिए लड़ो' के नारे के साथ 25 जनवरी को व्यापक जन-प्रतिरोध दर्ज कराया जाएगा।

चुनाव आयोग से प्रक्रिया पर रोक की मांग: भाकपा-माले ने चुनाव आयोग से मांग की है कि मतदाता सूची से नाम काटने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए और एक पारदर्शी, जवाबदेह तथा भरोसेमंद व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी नागरिक को उसके संवैधानिक अधिकार से वंचित न किया जा सके।

नाबालिग को जलाकर हत्या करने का आरोप

मां बोली- पेट्रोल डालकर बेटी को जिंदा जलाया था

एजेंसी, पटना

पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र में 17 साल की नाबालिग छात्रा को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने का आरोप लगा है। गंभीर रूप से झुलसी छात्रा की गुरुवार रात इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने इस संबंध में गोपालपुर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सदर सीडीपीओ 2 रंजन कुमार ने बताया कि गोपालपुर थाना में एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि एक युवक ने उसकी बेटी पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने का प्रयास किया था। आनन-फानन में छात्रा को पटना के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

17 जनवरी को हुई थी घटना: गोपालपुर थाना प्रभारी अमित कुमार के अनुसार, यह घटना 17 जनवरी की बताई जा रही है। बीच सड़क पर नाबालिग को एक युवक द्वारा पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने का प्रयास किया गया था। गंभीर अवस्था में छात्रा को पटना के एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने जानकारी दी कि छात्रा पहले बैरिया स्थित अपने नानी के घर में रहती थी। बाद में वह परिवार के साथ वहां से कुछ दूरी पर एक किराए के मकान में रहने लगी थी। पुलिस ने मामले की छानबीन जारी रखी है।

आरोपी की तलाश कर रही पुलिस: पुलिस आरोपी युवक की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है, जो फिलहाल फरार बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नीट छात्रा रेप-मौत केस, एसआईटी ने डीजीपी को सौंपी रिपोर्ट

एजेंसी, पटना

❑ 7 दिन तक पटना-जहानाबाद को खंगालती रही टीम

NEET स्टूडेंट के रेप-मौत मामले में SIT ने 7 दिन बाद अपनी रिपोर्ट DGP को सौंप दी है। इस रिपोर्ट में प्रभात मेमोरियल हॉस्पिटल और मेदांता के डॉक्टर्स, परिजन, छात्राएं, ऑटो चालक, स्कॉर्पियो ड्राइवर, पड़ोसी, मुखिया और हॉस्टल के कर्मियों के बयान शामिल हैं। डिजिटल और टेक्निकल एविडेंस भी सौंपे गए हैं। पटना जंक्शन से हॉस्टल पहुंचने तक के सीसीटीवी फुटेज और हॉस्टल के अंदर के सीसीटीवी फुटेज के अलावा AIIMS में अपने पक्ष को रखते हुए SIT ने छात्रा से जुड़े सारे मेडिकल डॉक्यूमेंट्स, डॉक्टर्स ओपिनियन के साथ सब्मिट किए हैं। इसमें मेदांता और प्रभात मेमोरियल हॉस्पिटल के गाइनीकोलॉजिस्ट महिला डॉक्टर्स के भी बयान हैं। SIT ने जांच के दौरान जहानाबाद में छात्रा के घर से लेकर रेलवे स्टेशन तक लगे करीब 40 से अधिक CCTV कैमरों के फुटेज खंगाले हैं। इन फुटेज के आधार पर छात्रा की गतिविधियां अलग-अलग समय पर कैद हुई हैं। इन सभी पॉइंट्स को SIT ने पुलिस मुख्यालय को सौंप दिया है। सूत्रों की माने तो 27 दिसंबर को छात्रा ने अचानक माता-पिता के साथ घर जाने का प्लान बनाया और हॉस्टल से निकल गई। जिस दिन वो घर पहुंची उसका भाई घर छोड़कर दूसरी जगह चला गया।

पटना में हत्या के गवाह के घर पर पथराव

एजेंसी, पटना

♦ दो साल पुराना केस वापस लेने की धमकी, एसडीपीओ-1 से शिकायत करने पर दर्ज किया एफआईआर

पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र में हत्या के एक गवाह के घर पर पथराव का मामला सामने आया है। अपराधियों ने दो साल पुराने हत्या के मामले को वापस लेने के लिए गवाह के घर पर हमला किया। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पीड़ित परिवार ने बताया कि घटना की रात ही उन्होंने शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया। अगले दिन 22 जनवरी को पीड़ितों ने एसडीपीओ 1 राजकिशोर सिंह से शिकायत किया, जिसके बाद स्थानीय थाने में हमलावरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया।

घर पर पथराव करने के आरोप: यह घटना आलमगंज के बिस्कोमान गोलंबर कॉलोनी में 21 जनवरी की रात करीब 9 बजे हुई। मृतक के बेटे भारत भूषण ने बताया कि आरोपी विजय यादव अपने कुछ साथियों के साथ उनके घर पर आया और पथराव करने लगा। कुछ हमलावरों के पास हथियार भी थे। मृतक की बड़ी बहू जूही कुमारी ने बताया कि हमलावरों ने घर पर पथराव करने के साथ-साथ गंदी गालियां भी दीं। उन्होंने किसी तरह अपनी जान बचाई और थाने में शिकायत दिया।

केस वापस वापस लेने की दे रहे धमकी- पीड़ित परिवार: जूही कुमारी के अनुसार, 18 अप्रैल 2023 को उनके ससुर अर्जुन सिंह उर्फ अशोक सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में विजय यादव उर्फ विजय पांडे मुख्य आरोपी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विजय यादव के गुंडे केस वापस न लेने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे रहा है। जूही कुमारी ने यह भी बताया कि विजय यादव आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है और बिस्कोमान कॉलोनी में घर बनाने के एवज में लोगों से पैसे की मांग करता है।

एसडीपीओ से शिकायत करने पर दर्ज किया FIR: पीड़ित परिजनों ने इस मामले की लिखित शिकायत आलमगंज थाने में दर्ज कराई थी। दो दिन तक कोई कार्रवाई न होने पर उन्होंने पटना सिटी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी राज किशोर सिंह से संपर्क किया। तब जातक 22 जनवरी के रात FIR दर्ज किया गया है।

SDPO-1 राज किशोर सिंह ने बताया कि, 'शिकायत दर्ज कर ली गई है और सीसीटीवी फुटेज तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।' सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन घटना को लेकर अभी पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

तेजस्वी यादव की सुरक्षा घटाने पर सियासी बवाल, राजद बोली-विपक्ष हैं दुश्मन नहीं

एजेंसी, पटना

बिहार की राजनीति में एक बार फिर नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रवक्ता शक्ति यादव ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा में कटौती को बदले की राजनीति करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज़ से घबराया हुआ है और इसी वजह से इस तरह के फैसले लिए जा रहे हैं।

सरकार विपक्ष के नेताओं से घृणा की राजनीति कर रही- राजद: राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि तेजस्वी यादव की सुरक्षा घटाना यह दिखाता है कि सरकार विपक्ष के नेताओं से घृणा की राजनीति कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सत्ता पक्ष अपने नेताओं, प्रदेश अध्यक्षों और केंद्रीय मंत्रियों की सुरक्षा बढ़ा रहा है, तो क्या विपक्ष का सवाल उठाना गलत हो गया है? विपक्ष लोकतंत्र का अहम हिस्सा है और उसकी आवाज़ से सत्ता को परेशानी नहीं होनी चाहिए।

ये बदले की राजनीति है- शक्ति यादव: राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जी की सुरक्षा में कटौती की गई, ये बदले की राजनीति है। सत्तापक्ष में बैठे लोग अपने प्रदेश अध्यक्ष की सुरक्षा बढ़ा रहे हो, अपने नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों, मंत्रियों की सुरक्षा बढ़ा रहे हो। क्या सबसे ज्यादा सुरक्षा की जरूरत उन्हीं को है? यह खौफ है। सत्तापक्ष मानती है कि बिहार में कानून राज बिल्कुल चरमरा गई है। सरकार ने कई सत्ताधारी नेताओं की सुरक्षा में इजाफा किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को Z श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। इसके साथ ही जदयू सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को भी Z कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है। बीजेपी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय को भी Z श्रेणी की सुरक्षा मिली है। वहीं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की सुरक्षा Y से बढ़ाकर Y+ श्रेणी कर दी गई है।

दिल्ली में बिहार कांग्रेस की बैठक, राहुल-खड़गे रहेंगे मौजूद

एजेंसी, पटना

अगले महीने विधानसभा का सत्र शुरू हो रहा है, उससे पहले कांग्रेस ने अपने विधायकों को दिल्ली तलब किया। आज दिल्ली में बिहार कांग्रेस की बड़ी बैठक है। इंदिरा भवन में 4:30 बजे राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की मौजूदगी में यह बैठक शुरू होगी। इस बैठक में सभी विधायक, सांसद, एमएलसी सहित प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष भी मौजूद रहेंगे। इस बैठक में संगठन को मजबूत करने को लेकर चर्चा होगी। इसके साथ ही विधायक दल के नेता की भी घोषणा हो सकती है।

विधायक दल के नेता पर लगा सकती है अंतिम मुहर: विधानसभा चुनाव परिणाम के दो महीने बाद भी कांग्रेस प्रदेश में विधायक दल का नेता नहीं चुन पाई है। इस बीच विधानसभा का एक सत्र बीत चुका है और अब अगला बजट सत्र भी सामने है। ऐसे में दिल्ली तलब किए गए विधायकों की मौजूदगी में आलाकमान बिहार में विधायक दल के नेता पर अंतिम मुहर लगा सकती है। पार्टी के 6 विधायकों के बीच इस पर आपस में सहमति नहीं बन पाने के कारण अब तक यह मामला अटका हुआ है।

देश के भीतर अपना जनाधार खो चुकी है कांग्रेस- दिलीप जायसवाल: दिल्ली में बिहार कांग्रेस की बैठक को लेकर मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा- कांग्रेस इस देश के भीतर अपना जनाधार खो चुकी है। बैठक सभी राजनीतिक दल करते रहते हैं। केंद्रीय स्तर पर भी बैठक होती है। लेकिन इस बैठक का कोई नतीजा निकलने वाला नहीं है।

प्रदेश नेतृत्व की ओर से सदाकत आश्रम में बुलाई गई बैठकों में कई विधायक मौजूद नहीं रहे थे। उनकी गैरमौजूदगी के बाद अब दिल्ली में क्राइसिस मैनेजमेंट की कवायद की गई है। मनरेगा आंदोलन के लिए बुलाई गई बैठक में कांग्रेस के दो विधायक मौजूद नहीं थे। इस बैठक में चनपटिया के अभिषेक रंजन और वाल्मीकिनगर के सुरेंद्र प्रसाद नहीं आए थे। वहीं, सोमवार को प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू की बुलाई बैठक में भी मनिहारी के विधायक मनोहर सिंह मौजूद नहीं थे। इसके बाद से ही कांग्रेस में टूट की कयास लगाई जा रही थी।

अब चलते-फिरते मोबाइल होटल से घूमें बिहार, 2.18 करोड़ की कैरावैन बस लॉन्च

एजेंसी, पटना

❑ एयरक्राफ्ट जैसा केबिन, बेडरूम-किचन-बाथरूम सहित 24 घंटे फ्री वाई-फाई मिलेगी

अगर आप बिहार को पूरी लग्जरी सुविधाओं के साथ एक्सप्लोर करना चाहते हैं तो इसके लिए 2 करोड़ की कैरावैन बस आपके लिए तैयार है। आज दो कैरावैन बस को हरी झंडी दिखाई गई। बिहार के पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद आज इसका उद्घाटन किया। इस दौरान मंत्री ने खुद बस में सवार होकर सफर किया। ये दोनों बसें एक चलता-फिरता फाइव स्टार होटल है, जिसमें बेडरूम, बाथरूम, किचन सहित ड्रेसिंग एरिया भी है। 24 घंटे इसमें वाई-फाई की सुविधा मिलेगी।

कैरावैन को ऑल इंडिया परमिट, ऑनलाइन बुकिंग सुविधा: दोनों कैरावैन बसों की कुल खरीद लागत लगभग 2 करोड़ 18 लाख आई है। दोनों कैरावैनों को ऑल इंडिया परमिट भी मिली है। इस कैरावैन का उपयोग बिहार और देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों के टूर के लिए किया जाएगा। इसमें देशी-विदेशी पर्यटक पटना से गयाजी, जहानाबाद, बक्सर, नवादा, राजगीर, बांका, वाल्मीकिनगर टाइगर रिजर्व सहित राज्य और देश के कई पर्यटन स्थलों की यात्रा कर सकेंगे। इसका किराया 75 रू प्रति किलोमीटर, कम से कम 250 किलोमीटर प्रतिदिन + 05 प्रतिशत जीएसटी रखा गया है। इसकी बुकिंग ऑनलाइन बिहार टूरिज्म की वेबसाइट और ऑफलाइन ऑफिस आकर कर सकते हैं। आम लोग इसकी बुकिंग सिख हेरिटेज भवन, दरोगा राय पथ में बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के कार्यालय या कौटिल्य विहार काउंटर से कर सकते हैं। इसके अलावा मोबाइल नंबर 8544418209 पर भी बुकिंग की जा सकती है।

सिक्योरिटी के लिए 6 कैमरे को इंस्टॉल किया: यह बस पूरी तरीके से एयर कंडीशन्ड है, जिसमें सिक्योरिटी के लिहाज से 6 कैमरे को इंस्टॉल किया गया है। इसे बिहार सरकार के लिए बुलेट प्रूफ गाड़ियां बनाने वाली कंपनी ने डिजाइन किया है। इसे बनाने के 3 महीने के भीतर ही दो गाड़ियों को बिहार डिलीवर किया गया है।

हर सीट पर लगे हैं मोटराइज्ड पर्दे: JCBL कंपनी के डिप्टी मैनेजर विशाल रतन बताते हैं कि कैरावैन के अंदर इंटर करने के लिए ऑटोमैटिक फोल्डेबल फूट स्टेप्स की सुविधा दी गई है। इस बस में चार रिक्लाइनर, 3 सीटर एक सोफा और 4 स्लीपर बर्थ की सुविधा दी गई है। ये रिक्लाइनर, पूरी तरह से ऑटोमेटेड है, जिसे अपने हिसाब से ऑपरेट किया जा सकता है। इस सीट को 360 डिग्री मूव भी कर सकते हैं। हर सीट के पास खाना खाने के लिए स्नेक टेबल की भी सुविधा दी गई है। सीट के बगल में पर्दे को भी मोटराइज्ड किया गया है, जो बटन से ऑपरेट होते हुए खुल और बंद हो सकते हैं।

"या देवी शारदे रूपेण संस्थिता..." सरस्वती पूजा भक्तिमय माहौल में संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

"या देवी शारदे रूपेण संस्थिता..." के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ क्षेत्र में सरस्वती पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। ज्ञान, बुद्धि और विद्या की देवी मां सरस्वती की आराधना को लेकर विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विभिन्न मोहल्लों में भक्तिमय माहौल बना रहा। आकर्षक पंडालों में मां सरस्वती की प्रतिमाओं की स्थापना की गई, जहां छात्र-छात्राओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सरस्वती पूजा के अवसर पर शैक्षणिक संस्थानों में विशेष पूजा कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। पंडालों को फूलों और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। पूजा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस प्रशासन सतर्क रहा। डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगाया गया तथा अश्लील और भड़काऊ गीतों पर रोक रही। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विभिन्न इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ाई गई। वहीं स्थानीय बुद्धिजीवियों और पूजा समितियों ने लोगों से सरस्वती पूजा को आस्था, संस्कृति और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। पूजा के माध्यम से ज्ञान, संस्कार और सद्भाव का संदेश दिया गया।

सीकरीया फार्मेसी कॉलेज में भव्य सरस्वती पूजा उत्सव का आयोजन- बसंत पंचमी के पावन अवसर पर भाजपा नेता यमुना सीकरीया द्वारा अपने सीकरीया फार्मेसी कॉलेज में सरस्वती पूजा उत्सव का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इस अवसर पर मत्स्य आयोग के अध्यक्ष ललन सहनी, उपमहापौर लालबाबू प्रसाद, भाजपा युवा नेता यमुना सीकरीया, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा अखिलेश सिंह, भाजपा नेत्री डॉक्टर हिना चंद्र, प्राचार्य प्रीति दुबे सहित भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से फार्मेसी कॉलेज के नवनिर्मित कार्यालय का शुभारंभ किया। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण के 24 अवतारों के चित्र का अनावरण किया गया एवं विद्यार्थियों के बीच मां सरस्वती की तस्वीरों का वितरण किया गया। इस अवसर पर यमुना सीकरीया ने कहा कि युवा पीढ़ी में संस्कार और संस्कृति की चेतना जागृत करना आवश्यक है, इसी उद्देश्य से प्रत्येक नामांकन पर छात्रों को मां सरस्वती की तस्वीर भेंट की जाएगी। मत्स्य आयोग के अध्यक्ष ललन सहनी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में हमारे धर्म और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ती है। उपमहापौर लालबाबू प्रसाद ने कहा कि हमारा देश हर क्षेत्र में विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। वहीं भाजपा नेत्री डॉ. हिना चंद्रा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सभी स्कूलों और कॉलेजों में होने चाहिए। वहीं अखिलेश सिंह ने कहा कि सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में यह कार्यक्रम एक मील का पत्थर साबित होगा। पूजनोत्सव का विधिवत संचालन पंडित अमित राज द्वारा किया गया।

अरेराज संवाददाता के अनुसार,- शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके 'विकास क्लासेज' के दूसरे ब्रांच पर इस वर्ष सरस्वती पूजा का आयोजन अत्यंत भव्य और दिव्य तरीके से संपन्न हुआ। संस्थान के डायरेक्टर अखिलेश तिवारी के नेतृत्व में आयोजित इस पावन पूजनोत्सव को विद्वान पंडित अखिलेश मिश्रा ने पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया। माँ शारदे की आराधना के इस विशेष अवसर पर भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहाँ संस्थान के हजारों छात्र-छात्राओं के साथ-साथ भारी संख्या में स्थानीय लोग और प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए। अरेराज में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का पर्याय बन चुके इस संस्थान में बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था और पूरा परिसर माँ सरस्वती की वंदना से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर डायरेक्टर अखिलेश तिवारी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी पूरी श्रद्धा के साथ ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी की पूजा की गई है, ताकि विद्यार्थियों के जीवन में सफलता और सकारात्मकता का संचार हो सके। पंडित अखिलेश मिश्रा द्वारा कराए गए अनुष्ठान और संस्थान की उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्था की आज पूरे क्षेत्र में जमकर प्रशंसा हो रही है। इस सफल आयोजन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि विकास क्लासेज न केवल बेहतर शिक्षा, बल्कि अपनी समृद्ध परंपराओं और संस्कारों के लिए भी अग्रणी है।

श्रीकृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में सरस्वती पूजा का आयोजन- वहीं भवानीपुर जिरात स्थित डॉ. श्रीकृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन किया गया। माता सरस्वती के चित्र को विधिवत स्थापित कर पूरे विधि-विधान के साथ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) नलिन विलोचन ने अपने सहकर्मियों के साथ अत्यंत सात्विक भाव से मां भगवती की पूजा-अर्चना की। महाविद्यालय के शिक्षक-कर्मचारियों में अभय कुमार मिश्रा ने पूजन कार्य संपन्न कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों में डॉ. कल्पना सिंह, डॉ. नीतू, डॉ. कुमारी रोशनी विश्वकर्मा, डॉ. शिवांगी सिंह, डॉ. मोहम्मद इरशाद आलम, डॉ. अल्फिया नूरी, डॉ. मनोरमा प्रसाद तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में भास्कर गुप्ता, लवली सिंह, अमन कुमार मिश्रा, ज्ञान प्रकाश, प्रकाश कुमार पांडे, निहाल कुमार, संतोष कुमार, अमित कुमार चौधरी आदि उपस्थित रहे। वहीं छात्राओं में निक्की, वंदना, पूजा, चाँदनी आदि की भी सहभागिता रही। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

निजी स्कूलों की मनमानी पर प्रशासन का शिकंजा: डीएम का सख्त कदम, अभिभावकों को बड़ी राहत

सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में निजी विद्यालयों द्वारा अभिभावकों के आर्थिक शोषण की शिकायतें लंबे समय से सामने आती रही हैं।

महंगी फीस के साथ-साथ किताब, यूनिफॉर्म, जूते, बैग और स्टेशनरी के नाम पर मनमानी वसूली ने मध्यम और गरीब वर्ग के पालकों की कमर तोड़ दी थी। इसी गंभीर स्थिति को देखते हुए सौरभ जोरवल, जिलाधिकारी –सह– जिला दंडाधिकारी, मोतिहारी ने जिस संवेदनशीलता और सख्ती के साथ संज्ञान लिया है, वह प्रशासनिक इच्छाशक्ति का एक मजबूत उदाहरण है।

हाल के दिनों में अखबारों, सामाजिक संगठनों और अभिभावकों की लगातार शिकायतों से यह साफ हो गया था कि जिले के कई निजी स्कूल एक तरह से एकाधिकारी व्यवस्था चला रहे हैं।

अभिभावकों को तय दुकानों से ही किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए मजबूर किया जाता था, जहां बाजार से कई गुना अधिक कीमत वसूली जाती थी। यह व्यवस्था न सिर्फ आर्थिक शोषण थी, बल्कि अभिभावकों की स्वतंत्रता पर भी सीधा हमला थी। खासकर गरीब परिवारों के लिए बच्चों की पढ़ाई बोझ बनती जा रही थी।

डीएम सौरभ जोरवल द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेश ने इस मनमानी पर निर्णायक प्रहार किया है। अब कोई भी निजी स्कूल किसी अभिभावक को एक ही दुकान से सामान खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेगा।

किताबों की सूची और यूनिफॉर्म का विवरण सार्वजनिक करना, तीन वर्षों तक यूनिफॉर्म में बदलाव न करना और आदेश उल्लंघन पर सख्त कानूनी कार्रवाई—ये सभी प्रावधान दिखाते हैं कि जिला प्रशासन अब सिर्फ अपील नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई के मूड में है।

हालांकि, यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि जिले के निजी स्कूलों में राइट टू एजुकेशन (RTE) के तहत मुफ्त शिक्षा के नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है।

यदि गहन जांच की जाए, तो शायद ही कोई निजी स्कूल इस कानून का ईमानदारी से पालन करता मिले।

आरोप है कि कई स्कूल फर्जी बच्चों की सूची बनाकर कागजी खानापूर्ति कर रहे हैं, जबकि वास्तविक रूप से गरीब बच्चों को प्रवेश नहीं दिया जाता।

यह शिक्षा के अधिकार कानून की आत्मा के साथ सीधा धोखा है।

रामगढ़वा से 70 ग्राम स्मैक बरामद, तस्कर गिरफ्तार!

सागर सूरज/ विजय कुमार

रामगढ़वा। पूर्वी चम्पारण के रामगढ़वा थाना क्षेत्र में पुलिस की बड़ी सफलता सामने आयी है।

गुप्त सूचना पर थाना व STF की संयुक्त छापेमारी में भलुवइया पुल के पास से 70 ग्राम स्मैक जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया है।

आरोपी पप्पू कुमार मिश्रा (पिताः स्व. छठू मिश्रा, साः बलुआ थरघट्टी, थानाः पहाड़पुर, जिलाः पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी) को गिरफ्तार किया गया।

मामले में अग्रिम कार्रवाई जारी है। यह घटना नेपाल सीमा से सटे पूर्वी चम्पारण के संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रग्स तस्करी के बढ़ते खतरे को उजागर करती है। रामगढ़वा, घोड़ासाहन जैसे बॉर्डर इलाके नेपाल से होकर आने वाले स्मैक, ब्राउन शुगार और गांजा के हब बन चुके हैं।

बीते महीनों में पुलिस ने कई बड़ी बरामदगी की है जैसे-घोड़ा साहन में नवंबर 2025 में STF ने नेपाल बॉर्डर से 5 किलो स्मैक जब्त किया, 4 तस्कर गिरफ्तार किया था।

रामगढ़वा में अक्टूबर में 2 किलो ब्राउन शुगार बरामद, इंडो-नेपाल रूट का खुलासा भी हुआ था।

पहाड़पुर-बलुआ में दिसंबर माह में 100 ग्राम हेरोइन के साथ 3 नेपाली तस्कर पकड़े गये थे।

एसपी स्वर्ण प्रभात के नेतृत्व में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ अभियान तेज हो गयी है। बॉर्डर पर नाइट पेट्रोलिंग, ड्रोन सर्विलांस और STF की सक्रियता से तस्करी पर लगाम लग सकती है। फिर भी, नेपाल की खुली सीमा चुनौती बनी हुई।

स्थानीय युवा नशे की चपेट में आ रहे, इस ईलाके में 70% अपराध ड्रग्स से जुड़े बताये जाते है। पकड़े गए पप्पू मिश्रा का पूर्वी-पश्चिम चम्पारण कनेक्शन

बताया जाता है।

पूछताछ में नेपाल के ताज़ा तस्करी रूट का राज खुल सकता है। एसपी ने कहा, "बॉर्डर सीलिंग और इंटेलिजेंस पर फोकस है। तस्करों को जड़ से उखाड़ेंगे।

" जागरूकता अभियान से गांव स्तर पर नशा मुक्ति संभव है।

घोड़ासाहन में अभी तस्करों का कई सिंडिकेट सक्रिय है जिन्हे स्थानीय पदाधिकारिओं का सहयोग भी प्राप्त है।

संक्षिप्त समाचार

डेढ़ साल से जीवन मृत्यु के बीच झूल रहे युवक की मौत,पुलिस ने शव को अभिरक्षा में लेकर कराया पोस्टमार्टम

बीएनएम @ मोतिहारी। लगभग डेढ़ वर्षों से जीवन मृत्यु से जूझ रहे सड़क दुर्घटना में घायल युवक पुत्र नवल पासवान 17 वर्ष की मौत शुक्रवार को हो गई है। शव को पुलिस ने अभिरक्षा में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर हॉस्पिटल मोतिहारी भेज दिया है। दुर्घटना एक सितम्बर 024 को छौडादानों आदापुर नहर पथ पर घटना घटित हुई थी।इसमें एक सवार की मौत घटना स्थल पर हो गई थी। उक्त मृतक को घायल अवस्था में उस समय प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य आदापुर में कराया गया था। वहां से बेहतरीन इलाज के लिए चिकित्सकों ने मोतिहारी रेफर किया था। पीड़ित परिवार ने उस समय इलाज के लिए एक महीने तक रहमानिया नर्सिंग होम मोतिहारी में भर्ती कराया था। उसके बाद नर्सिंग होम के चिकित्सकों की देख रेख में इलाज चलता था। तब से मृतक को घर पर , दवा खिला कर सेवा करते थे। बीच बीच में परिजन मरीज को लेजाकर डॉक्टर से जांच कराते दवा लेते थे।थानाध्यक्ष पप्पू कुमार पासवान ने बताया कि सड़क दुर्घटना के बाद मृतक कौमा में था। श्यामपुर गांव निवासी मृतक की मां किस्मतिया देवी ने उस समय आवेदन देकर आदापुर थाना में एफसीआर दर्ज कराया था ।जिसमें चार लोगों को आरोपित थे आदापुर थाना कांड संख्या - 309/024 दर्ज किया गया है।

घोड़ासहन में लूट कांड का खुलासा, एक अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। घोड़ासहन थाना क्षेत्र अंतर्गत मदरसा चौक स्थित किराना दुकान में हुई लूट कांड का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। तकनीकी अनुसंधान के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने लूट में संलिप्त एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। बताया गया कि 28 दिसंबर 2025 को तीन अज्ञात अपराधियों ने किराना दुकानदार राजेश प्रसाद, निवासी अमवा (झरोखर थाना) से एक लाख रुपये नकद एवं एक मोबाइल फोन की लूट की थी। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। घटना की सूचना पर घोड़ासहन थाना में कांड दर्ज कर जांच शुरू की गई। सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल सर्विलांस एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच के दौरान यह सामने आया कि लूटा गया मोबाइल सुकेश कुमार, पिता शिव शंकर चौधरी, निवासी ढेकहा, थाना पिपराकोठी के पास उपयोग में है। इसके बाद विशेष छापामारी दल गठित कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास रहा है । उसके विरुद्ध नगर थाना में आर्म्स एक्ट के तहत पूर्व में मामला दर्ज है। पुलिस शेष फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है। कार्रवाई जारी है।

सिटीजन फोरम ऑफ मोतिहारी की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

» आगामी 1 फरवरी को आम सभा एवं परिचर्चा आयोजित करने का लिया गया निर्णय

बीएनएम @ मोतिहारी

सिटीजन फोरम ऑफ मोतिहारी के चतुर्थ कार्यकारिणी की आठवीं बैठक शहर के एक निजी होटल के प्रेक्षा गृह में शुक्रवार को कार्यकारिणी सदस्य निशा गुप्ता के आतिथ्य में तथा फोरम अध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उक्त बैठक की शुरुआत में फोरम के सचिव धर्मवर्धन प्रसाद ने गत बैठक की कार्यवाही रिपोर्ट एवं फोरम की गतिविधियों का विवरण सभा के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। वहीं बैठक में संस्था के संरक्षक वरीय अधिवक्ता नरेंद्र देव के नेतृत्व में सिटीजन फोरम के बायलॉज को पंजीकृत कराने का निर्णय लिया गया, ताकि फोरम को संवैधानिक मान्यता प्राप्त हो सके। वहीं संरक्षिका शशि कला देवी ने सिटीजन फोरम का बैंक खाता खोलने का प्रस्ताव रखा, जिसे संरक्षक प्रकाश चौधरी सहित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकृत किया। इस बैठक में

यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी 1 फरवरी को सिटीजन फोरम ऑफ मोतिहारी की आम सभा एवं परिचर्चा का आयोजन होटल रामसन प्लाजा के सभागार में संध्या 5:30 बजे से किया जाएगा। आम सभा कार्यक्रम के संयोजक अमित कुशवाहा ने बताया कि इस अवसर पर मोबाइल के अत्यधिक एवं अनावश्यक उपयोग विषय पर परिचर्चा आयोजित की जाएगी। परिचर्चा की मुख्य वक्ता महात्मा गांधी विश्वविद्यालय की अतिथि संकाय डॉ. स्नेहा चौरसिया होंगी। वहीं मोबाइल के दुरुपयोग से आंखों पर पड़ने वाले प्रभावों पर नेत्र विशेषज्ञ डॉ. कमलेश कुमार अपना प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम की कोष व्यवस्था का दायित्व चंदू मिश्रा को सौंपा गया तथा सभी सदस्यों के बीच कार्यों का बंटवारा किया गया। बैठक के अंत में राष्ट्रगान के साथ सभा स्थगन की घोषणा अध्यक्ष द्वारा की गई। इसके पश्चात अजय आजाद ने बैठक की उत्तम व्यवस्था के लिए निशा गुप्ता एवं सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक में पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र जालान, बिन्टी शर्मा, पूर्व सचिव राम भजन, सतीश टंडन, उपाध्यक्ष रंजीत कुमार, डॉ. संध्या चौधरी, कोषाध्यक्ष डॉ. विवेक गौरव, निशा गुप्ता, सुधीर कुमार गुप्ता, अरविंद सराफ, अंगद सिंह, अजय कुमार आजाद, राहुल कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बसंत पंचमी की शुभ अवसर पर सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में धूमधाम से सरस्वती पूजा संपन्न

बीएनएम @ नौतन

बसंत पंचमी की शुभ अवसर पर सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में सरस्वती पूजा धूमधाम से मनाया गया। वहीं भारतीय इंटर कॉलेज गहरी के प्रांगण में संस्कृति कार्यक्रम लड़कियों के द्वारा नाटक प्रस्तुत की जाएगी बहु मांगे इंसाफ यह नाटक 24 जनवरी 2026 को 10:00 बजे दिन में प्रस्तुत होगा। नाटक के डायरेक्टर सुरेंद्र प्रसाद ने बताया बहु मांगे इंसाफ एक आज के युग का नाटक है। इसका सारांश है बहू के ऊपर नाटक प्रस्तुत है यह नाटक का अजीब है। भारतीय इंटर कॉलेज के डायरेक्टर विभूति नारायण पूजा पर बैठकर पूजा को किए । डबरिया आदर्श उच्च विद्यालय में धूमधाम से सरस्वती पूजा संपन्न हुआ। भारतीय इंटर कॉलेज गहरी में 23 जनवरी 2026 को बच्चों का नाटक तिरंगा झुकेगा नहीं शाम 7:00 बजे प्रस्तुत किया गया था।

लखानीपुर में गन्ना किसान संगोष्ठी-सह-क्षेत्रीय कार्यशाला का भव्य आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के पहाड़पुर प्रखंड अंतर्गत कोटवा पंचायत के लखानीपुर सेंटर बथुआहा काटा में गन्ना किसान संगोष्ठी-सह- क्षेत्रीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के माननीय गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने किया, जबकि अध्यक्षता संयुक्त ईखायुक्त जय प्रकाश नारायण ने की। कार्यक्रम में गोविंदगंज विधायक राजू तिवारी और सुगौली विधायक बबलू गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपनिदेशक-सह - सहायक निदेशक ईख विकास अजित कुमार प्रसाद, सहायक ईखायुक्त रेमंत झा, मोतिहारी के ईख पदाधिकारी राहुल कुमार सहित गोपालगंज और बेतिया के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। संगोष्ठी में आर.आर.एस. माधोपुर एवं के.वी.के. परसौनी के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ मंझोलिया और सुगौली चीनी मिल के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान 700 से 800 गन्ना किसानों को उन्नत गन्ना खेती की तकनीकों की जानकारी दी गई। वैज्ञानिकों ने किसानों को आधुनिक कृषि विधियों से अवगत कराते हुए विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। माननीय मंत्री संजय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि गन्ना क्षेत्र का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता है। किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उनकी आय दोगुनी करना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के किसान तक सुनिश्चित रूप से पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने विभिन्न विभागीय स्टालों का निरीक्षण किया। किसानों को बड चिप विधि, रिंग पीट विधि एवं मल्टीकटर मशीन का लाइव प्रदर्शन दिखाया गया, जिससे आधुनिक खेती के लाभों की जानकारी मिली। वहीं गन्ना यंत्रीकरण योजना के अंतर्गत मिनी ट्रैक्टर खरीदने वाले किसानों को मंत्री द्वारा प्रतीकात्मक रूप से चाबियां वितरित की गईं। उपनिदेशक अजित कुमार प्रसाद के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यशाला किसानों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने और गन्ना उत्पादन को आधुनिक दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

सरकारी चूक का पचास साल पुराना अपराध, रमपुरवा डंगरी चंवर की हजारों एकड़ भूमि जलमग्न

» सोना उगलने वाली धरती आज रो रही है, निकासी के अभाव में डूबा रमपुरवा डंगरी चंवर
» विकास की गलती या सिस्टम की लापरवाही, हाइवे में किसानों की जमीन निगल ली

बीएनएम @डुमरियाघाट @ अमित कुमार सिंह

यह कोई कुदरती आपदा नहीं, बल्कि सरकारी विभागों की ऐतिहासिक लापरवाही और तकनीकी अपराध का जिंदा दस्तावेज है। जिले के केसरिया प्रखंड अंतर्गत रामपुर खजुरिया पंचायत का रमपुरवा डंगरी चंवर पिछले पचास वर्षों से जानबूझकर पानी में डुबोया गया इलाका बन चुका है। यह डूबान प्रकृति की देन नहीं, बल्कि सड़क निर्माण विभाग और एनएचएआई की नाकामी का नतीजा है। 1965–1974 में रामपुर खजुरिया से पिपराकोठी को जोड़ने वाली हाइवे सड़क का निर्माण हुआ। उसी दिन इस इलाके के किसानों की किस्मत पर पानी फेर दिया गया। सेंभुआपुर और धनगढ़हां के बीच जहां बड़े और पर्याप्त पुलिया अनिवार्य थे, वहां जानबूझकर छोटे, अधूरे और अपर्याप्त पुलियों का निर्माण किया गया। कई जगहों पर तो पुलिया बनाई ही नहीं गई। यह भूल नहीं, यह सीधी लापरवाही है। परिणाम यह हुआ कि रमपुरवा डंगरी चंवर से पानी की निकासी लगभग खत्म हो गई। बरसात और बाढ़ का पानी सालों-साल इसी चंवर में सड़ता रहा। हालत यह है कि भीषण गर्मी में भी यहां पानी सूखता नहीं, जिससे खेती पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। कभी यही चंवर धान उत्पादन का केंद्र था। यहां के खेत कभी सोना उगला करते थे। आज यहां के खेत पानी से भरा और लबालब है। जहां पहले किसान बैल गाड़ियों में भरकर अनाज ढोते थे, आज वही किसान दाने-दाने को मोहताज हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि पांच दशक तक सरकार कहां सोई रही। क्या किसी इंजीनियर, अधिकारी या ठेकेदार की जवाबदेही तय हुई। क्या किसी जनप्रतिनिधि ने किसानों के डूबते खेत देखने की जरूरत समझी। सच यह है कि विकास के नाम पर बनी इस सड़क ने किसानों की पीढ़ियों को बर्बाद कर दिया। बड़े किसान किसी तरह जिंदा हैं, लेकिन छोटे और सीमांत किसान पूरी तरह टूट चुके हैं। यह सिर्फ आर्थिक नुकसान नहीं है, यह किसानों के आत्मसम्मान और भविष्य की हत्या है। रामपुर खजुरिया, रमपुरवा सहित आसपास के गांवों के किसानों ने अब साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि सेंभुआपुर और धनगढ़हां के बीच चिह्नित स्थानों पर तत्काल बड़े साइज की पुलियों का निर्माण नहीं कराया गया, तो यह साबित हो जाएगा कि सरकार के लिए सड़क ज्यादा जरूरी है, किसान नहीं। अब यह सवाल सिर्फ डंगरी चंवर का नहीं रहा, यह सवाल है सरकारी संवेदनहीनता, जवाबदेही और किसान-विरोधी विकास मॉडल का। अगर अब भी कार्रवाई नहीं हुई, तो इतिहास गवाह रहेगा कि सरकार ने किसानों को पानी में डूबता देख भी आंखें बंद रखीं।

संक्षिप्त समाचार

गोविंदगंज में दर्दनाक हादसा या साजिश? 5 दिनों से लापता दो नाबालिग लड़कियों के शव पोखर से बरामद, इलाके में मातम

बीएनएम @ अरेराज। जिले के गोविंदगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत नवादा पंचायत में उस समय सनसनी फैल गई, जब पांच दिनों से लापता दो नाबालिग लड़कियों के शव भेलानारी पावर हाउस के पीछे स्थित एक पोखर से बरामद किए गए। इस दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। गांव में मातम पसरा हुआ है, वहीं लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है। मृतकों की पहचान मदन महतो की पुत्री रेणुका कुमारी और शिवपूजन पासवान की पुत्री सुंदरम कुमारी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों बच्चियां घर से पशुओं के लिए चारा लाने निकली थीं, लेकिन इसके बाद से वे लापता थीं। परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया था। पोखर में शव मिलने की सूचना मिलते ही गोविंदगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से दोनों शवों को बाहर निकलवाया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार और थानाध्यक्ष राजू मिश्रा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है और परिजनों को निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया गया है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है, वहीं लोगों के बीच भय और आक्रोश का माहौल भी देखने को मिल रहा है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मामले की हर एंगल से जांच जारी है।

पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड योजना का शुभारंभ

बीएनएम @ बक्सरः नगर परिषद कार्यालय में मुख्य पार्षद कमरून निशा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत क्रेडिट कार्ड योजना के शुभारंभ का भव्य आयोजन हुआ। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में बताया गया कि यह योजना शहरी फुटकर विक्रेताओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भारत सरकार का एक सशक्त कदम है। इसके तहत वेंडर्स को बिना किसी गारंटी के तीन चरणों में ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें प्रथम चरण में 15 हजार, दूसरे में 25 हजार और तीसरे में 50 हजार रुपये की राशि बैंकों के माध्यम से दी जाती है। विशेष रूप से, दूसरी किस्त समय पर चुकाने वाले विक्रेताओं को अब क्रेडिट कार्ड का लाभ मिलेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और डिजिटल बैंकिंग से जुड़ाव बढ़ेगा। कार्यक्रम में नगर परिषद के अधिकारियों सहित स्वयं सहायता समूह की महिलाएं और भारी संख्या में दुकानदार उपस्थित रहे।

शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरीः अध्यक्ष

बीएनएम @ भागलपुरः भागलपुर स्थित आनन्दराम ढांढनियां सरस्वती विद्या मंदिर में शुक्रवार को सरस्वती पूजन सह विद्यारंभ संस्कार उत्सव अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर विद्यालय के भैया-बहनों के साथ पूर्ववर्ती छात्र, आचार्य, प्रबंध समिति के पदाधिकारी और आरएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा 'गुरु भोज' का भी भव्य आयोजन किया गया।विद्यालय के अध्यक्ष अतुल ढांढनिया ने संबोधन में कहा कि ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा जीवन को संस्कारों से भरने का अवसर है। उन्होंने जोर दिया कि विद्यालय का लक्ष्य मात्र किताबी शिक्षा देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति के अनुरूप गढ़ना है ताकि वे समाज के जिम्मेदार नागरिक बन सकें। प्रधानाचार्य सुमंत कुमार ने भी सभी को बसंत पंचमी और विद्यारंभ संस्कार की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में समाज के व्यापारियों और प्रबुद्ध नागरिकों की उपस्थिति ने उत्सव की गरिमा बढ़ाई।

सड़क दुघर्टना में पिता-पुत्र घायल

बीएनएम @ भागलपुर, जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जख बाबा स्थान के पास शुक्रवार को एक सड़क दुघर्टना में दो लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि बांका जिले के रजौन से भागलपुर आ रहे बाइक सवार पिता-पुत्र इस सड़क हादसे का शिकार हो गए। ट्रक और ऑटो के ओवरटेक के दौरान बाइक में जोरदार धक्का लग गया् जिससे बाइक सवार बिंदेश्वरी शर्मा और उनके पुत्र पंचो शर्मा सड़क पर गिर पड़े। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बिंदेश्वरी शर्मा के गांव के मुखिया प्रवीण कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और घायल पिता-पुत्र को तत्काल इलाज के लिए मायागंज अस्पताल लाया गया। मायागंज अस्पताल में डॉक्टरों ने बताया कि पिता और पुत्र दोनों के पैर में फ्रैक्चर हुआ है। फिलहाल दोनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। उधर घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जल संवाद कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @भागलपुर, जिले के नगर परिषद सुल्तानगंज के सभागार में शुक्रवार को नगर सभापति राज कुमार गुड्डू की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री स्व निधि योजना के तहत क्रेडिट कार्ड वितरण समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही वाटर हेड के द्वारा जल गुणवत्ता परिक्षण कार्यशाला संवाद कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मंचासीन युको बैंक मैनेजर निकिता कुमारी, वार्ड पार्षद संजय चौधरी, नवीन कुमार बन्नी, राधा देवी थे। इस कार्यक्रम में वार्ड पार्षद, स्वयं सहायता समूह के सदस्य एवं लाभुक उपस्थित थे। कार्यक्रम में नगर सभापति राज कुमार गुड्डू एवं मांचासीन और वार्ड पार्षद के द्वारा प्रधानमंत्री स्व निधि योजना के लाभुकों को ऋण वितरण करते हुए क्रेडिट कार्ड दिया गया।कार्यक्रम के अन्त में जल गुणवत्ता परिक्षण कार्यशाला संवाद के बारे में बताते हुए जल को शुद्ध और सुरक्षित रखने के बारे में बताया गया। इस दौरान वार्ड पार्षद सुभाष कुमार, किशोर ठाकुर, विनोद रजक, प्रतिनिधि पप्पू झा, मुकेश कुशवाह, नगर परिषद सुल्तानगंज के प्रधान सहायक राजीव रंजन चौधरी, ब्लॉक कॉर्डिनेटर शशि कुमार, नरेन्द्र कुमार, प्रियांक प्रदर्शी, स्वयं सहायता समूह के सदस्य मौजूद थे।

जगन्नाथ सेवा सदन हॉस्पिटल में सर्जन डॉ. अंशु कुमार तिवारी के चेंबर का उद्घाटन

बीएनएम @ डुमरियाघाट

जिले के डुमरियाघाट थानांतर्गत रामपुर खजुरिया चौक स्थित जगन्नाथ सेवा सदन हॉस्पिटल में शुक्रवार को प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. ओ.पी. तिवारी के पुत्र एवं वरिष्ठ सर्जन डॉ. अंशु कुमार तिवारी के नवनिर्मित चेंबर का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन से पूर्व वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना संपन्न हुई, जिसके उपरांत कल्याणपुर के विधायक सचिंद्र सिंह ने फीता काटकर चेंबर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बैंकपुर के विधायक मिथिलेश तिवारी ने डॉ. अंशु कुमार तिवारी को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं और क्षेत्रवासियों के लिए इसे एक बड़ी चिकित्सा उपलब्धि बताया। उद्घाटन समारोह में डॉ. अंजलि तिवारी, डॉ. परमेश्वर ओझा, रवि तिवारी, नंदू सिंह (शिक्षक), देवलाल राय, डॉ. सुरेश यादव, डॉ. नवल यादव, डॉ. सुनील यादव, डॉ. एएन. पाण्डेय, पप्पू मिश्रा, अशोक सिंह (शिक्षक), ध्रुप सिंह समेत प्रखंड के सैकड़ों गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। मौके पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अंशु कुमार तिवारी जैसे अनुभवी सर्जन की सेवाएं अब स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से क्षेत्र के मरीजों को बेहतर इलाज के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। जानकारी के अनुसार डॉ. अंशु कुमार तिवारी प्रत्येक शुक्रवार एवं शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक रामपुर खजुरिया चौक स्थित जगन्नाथ सेवा सदन हॉस्पिटल में अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। चेंबर उद्घाटन से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

डुमरियाघाट में एनएच-27 पर पकड़ी गई चंडीगढ़ निर्मित शराब की बड़ी खेप, एक कारोबारी धराया

» ग्रैंड विटारा ब्रेजा कार पर लदी 39 कार्टन 24 पिस शराब हुआ जब्त, कोटवा और डुमरियाघाट पुलिस की संयुक्त कारवाई में मिली सफलता

बीएनएम @ डुमरियाघाट

नेशनल हाइवे-27 पर सरोतर पहल के समीप शुक्रवार को डुमरियाघाट पुलिस ने कोटवा थाना पुलिस के सहयोग से शराब तस्करी के एक बड़े प्रयास को नाकाम कर दिया है। संयुक्त कार्रवाई के दौरान ग्रैंड विटारा ब्रेजा कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब की खेप बरामद की गई। पुलिस ने कार की तलाशी के दौरान 39 कार्टन और 24 पीस विदेशी व्हिस्की जब्त की, जिसकी कुल मात्रा 341.280 लीटर बताई जा रही है। मौके से एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए कारोबारी की पहचान हरियाणा के सोनीपत जिला अंतर्गत गोहाना थाना क्षेत्र के गामड़ी निवासी मोहन लाल, पिता भूप सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त ग्रैंड विटारा ब्रेजा कार (रजिस्ट्रेशन नंबर DL9CBK-6416) को जब्त कर लिया है। बरामद शराब ब्लू स्ट्रोक कंपनी की बताई जा रही है, जो चंडीगढ़ निर्मित है। शराब के रैपर पर क्वीन डिस्टलरीज एंड बॉटलर्स प्राइवेट लिमिटेड अंकित पाया गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि दोनों थानों की संयुक्त कार्रवाई में शराब तस्करी का यह मामला उजागर हुआ है। आरोपी के खिलाफ बिहार मधनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मेडिकल जांच के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई से शराब तस्करों में हड़कंप मच गया है, वहीं एनएच-27 को तस्करी का रूट बनाने वालों पर सख्त संदेश गया है।

अरेराजः बसंत पंचमी मेले की तैयारियों को लेकर एसडीएम ने किया सोमेश्वरनाथ मंदिर का निरीक्षण

बीएनएम @ अरेराज

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर श्री सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर में होने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासनिक सक्रियता बढ़ गई है। इसी क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा ने मंदिर परिसर और श्रद्धालुओं के ठहरने वाले पड़ाव स्थलों का विस्तृत स्थलीय भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंदिर में दर्शन की कतारबद्ध व्यवस्था, साफ-सफाई के स्तर, पेयजल की उपलब्धता और शौचालयों की स्थिति को बारीकी से देखा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और पूरे परिसर में प्रकाश की समुचित व्यवस्था बनी रहे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से एसडीएम ने भीड़ प्रबंधन और ट्रैफिक व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने मौके पर तैनात दंडाधिकारियों और पुलिस बल को मुस्तैद रहने का निर्देश देते हुए कहा कि सुरक्षा में कोई चूक नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही, स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मेडिकल कैंप की उपलब्धता और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार की गई योजनाओं पर भी चर्चा की गई। अनुमंडल पदाधिकारी ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया ताकि मेले का आयोजन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

सेमरा एनएच-28 पर मिली युवती के शव की तीसरे दिन भी नहीं हो सकी पहचान

बीएनएम @ तुरकौलिया

सेमरा एनएच-28 पर पटखौलिया गांव के समीप सड़क किनारे मिली अज्ञात युवती के शव की पहचान तीसरे दिन भी नहीं हो सकी है। पुलिस लगातार पहचान के प्रयास में जुटी हुई है, लेकिन अब तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लग पाया है। मालूम हो कि बुधवार की सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि सेमरा भारत गैस एजेंसी के समीप सड़क किनारे एक युवती का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी अन्य पुलिस पदाधिकारियों व पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। घटनास्थल पर एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम ने भी पहुंचकर जांच की थी। वहीं सदर डीएसपी दिलीप कुमार भी मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन करते हुए थानाध्यक्ष को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस के अनुसार मृत युवती की उम्र करीब 20 से 22 वर्ष के बीच बताई जा रही है। युवती के गले पर निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि युवती स्थानीय नहीं लगती है और संभव है कि उसकी हत्या कहीं और कर शव यहां लाकर फेंका गया हो। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि युवती की पहचान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद शव को सदर अस्पताल के शीतगृह में सुरक्षित रखा गया है। पहचान नहीं होने की स्थिति में चौकीदार बृज यादव के लिखित बयान पर अज्ञात के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सुगौली प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन निर्माण का विधायक ने किया शिलान्यास

» 14करोड़ 69लाख 47हजार 5 सौ 31 रुपए खर्च होंगे
» सुगौली बनेगा मॉडल प्रखंड- संजय जायसवाल

बीएनएम @ सुगौली

स्थानीय विधायक राजेश कुमार गुप्ता ने शुक्रवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय के भवन निर्माण का शिलान्यास कर शुभारंभ किया। बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग द्वारा बनाये जा रहे प्रखंड सह अंचल कार्यालय के भवन निर्माण पर कुल ला् 14 करोड़ 69 लाख 47 हजार 5 सौ 31 रुपए की राशि खर्च होनी है। शिलान्यास कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सह स्थानीय सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य लोगों व नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्य के लिए विधायक राजेश कुमार गुप्ता उर्फ बबलू गुप्ता विशेष रूप से बधाई के पात्र हैं जिन्होंने विधायक बनने के रिकार्ड ढ़ेड माह के भीतर इस कार्य को मूर्त रूप दिलाया। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण से क्षेत्र के लोगों को अपने कार्य कराने में सुविधा तो होगी ही साथ ही जनप्रतिनिधियों को भी कार्यों के निष्पादन में सहजता महसूस होगी। सांसद ने सुगौली प्रखंड को मॉडल प्रखंड के रूप में विकसित करने के प्रति लोगों को आश्वस्त किया। सांसद श्री जायसवाल ने स्थानीय पूर्व विधायक सह राज्य मंत्री रामचंद्र सहनी के सुगौली की समस्याओं के बावत मांगों पर जवाब देते हुए आश्वस्त किया कि सुगौली की समस्याओं का समाधान शीघ्र किया जायेगा। उन्होंने पूर्व विधायक श्री सहनी द्वारा एन एच के सटे नाला निर्माण के मुद्दे पर कहा कि इसके लिए मैं एन एच आई से बात कर शीघ्र नाले का निर्माण कराऊंगा जिससे सुगौली नगर पंचायत के अपशिष्ट जल सीधे सिकरहना नदी में जाय और नगर में जल जमाव की समस्या समाप्त हो। उन्होंने कहा कि श्री सहनी ने जिन समस्याओं के बावत कहा है उसका विधायक और मैं विशेष रूप से ध्यान रखेंगे और समाधान निकालेंगे। मौके पर सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ, भाजपा नेता रामगोपाल खंडेलवाल, संत सिंह कुशवाहा, राजेश्वर ठाकुर, अवध पटेल, अरविंद कुशवाहा सहित अन्य उपस्थित थे।

संदिग्ध मौत से उठा हड़कंपः मोतिहारी में ग्रामीण बैंक मैनेजर की घर में मौत, हत्या का आरोप

बीएनएम @ रामगढ़वा @ विजय कुमार

जिले के रामगढ़वा थाना क्षेत्र में एक ग्रामीण बैंक शाखा प्रबंधक की अपने ही घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक सुगौली प्रखंड के करमवा रघुनाथपुर स्थित ग्रामीण बैंक शाखा में प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। शुरुआती सूचना पुलिस को आत्महत्या की मिली थी, लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस और परिजनों ने जब हालात देखे, तो मामला आत्महत्या से कहीं आगे का नजर आया। पुलिस के अनुसार, घर के भीतर का दृश्य और मृतक के शरीर पर मिले जख्म इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि घटना सामान्य नहीं है। परिजनों ने साफ तौर पर आत्महत्या की थ्योरी को खारिज करते हुए इसे सुनियोजित हत्या बताया है। मृतक के भाई पप्पू कुमार का आरोप है कि उनके शरीर पर कई गहरे चोटों के निशान पाए गए हैं, जो फांसी लगाने की कहानी से मेल नहीं खाते।

परिजनों ने मृतक की पत्नी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पिछले कई महीनों से पति-पत्नी के बीच लगातार विवाद चल रहा था। पत्नी कथित तौर पर बैंक मैनेजर को अपने परिवार के अन्य सदस्यों से बातचीत करने से रोकती थी, जिससे वे मानसिक तनाव में रहते थे। परिजनों का दावा है कि इसी तनाव और घरेलू कलह के बीच यह वारदात हुई है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और सभी पहलुओं से जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत और तरह-तरह की चर्चाओं का माहौल बना हुआ है।

रोने से कुछ हासिल नहीं होगा

पश्चिमी अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि चीन ने गैर-बाजार नीतियों पर चलते हुए फ्री मार्केट अर्थव्यवस्थाओं को अपने सस्ते उत्पादों से पाट दिया है। इस कारण वहां के उद्योग-धंधों के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां बनी हैं। मगर हल क्या है? साल 2025 में चीन से व्यापार में भारत का घाटा रिकॉर्ड 116.12 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। चीन सरकार के आंकड़ों के मुताबिक बीते साल भारत का निर्यात 5.5 प्रतिशत बढ़ते हुए 19.75 बिलियन डॉलर पहुंच गया, लेकिन चीन से आयात 12.8 फीसदी बढ़ कर 135.87 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा। 2024 में चीन से भारत का व्यापार घाटा 99 बिलियन डॉलर था। इन आंकड़ों ने देश में फिर बेचैनी पैदा की है। मगर ऐसा नहीं लगता कि इसकी बुनियादी वजहों पर कोई ऐसी ठोस चर्चा होगी, जिससे समाधान की तरफ बढ़ने में मदद मिले। ऐसी चर्चा के लिए चीन की निर्यात क्षमता के गंभीर आकलन की जरूरत होगी। 2025 में चीन ने 1.2 ट्रिलियन डॉलर का व्यापार लाभ कमाया, जो ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। ऐसा अमेरिका के लिए निर्यात में 20 प्रतिशत गिरावट के बावजूद हुआ। उसने यूरोप, अफ्रीका, आसियान समूह और भारत जैसे देशों में बड़ी मात्रा में निर्यात बढ़ाने में कामयाबी पा ली। इस तरह उसने अपनी अर्थव्यवस्था को अमेरिका के व्यापार युद्ध से अप्रभावित बनाए रखा है। पश्चिमी अर्थशास्त्रियों ने इसका कारण उसकी अत्यधिक उत्पादन क्षमता एवं देश के अंदर कम उपभोग को बताया है। कहा है कि चीन ने गैर-बाजार नीतियों पर चलते हुए फ्री मार्केट अर्थव्यवस्थाओं को अपने सस्ते उत्पादों से पाट दिया है। इस कारण वहां के उद्योग-धंधों के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां बनी हैं! मगर हल क्या है? पश्चिमी देश अपने यहां मजदूरी महंगी होने को समाधान के रास्ते में बाधा बताते हैं। मगर भारत जैसे देश पर तो यह बात लागू नहीं होती। भारत में औसत मजदूरी चीन से छह गुना सस्ती है। यह भारत के लिए लाभ का पहलू है। फिर भी भारत को इसका फायदा नहीं मिल रहा है, तो कारण इन्फ्रास्ट्रक्चर का महंगा एवं अपर्याप्त होना, अनुसंधान पर न्यून खर्च, और कुशल कर्मियों का अभाव है।

बालिका विकास के बन्द दरवाजे खोलने का समय

ललित गर्ग

राष्ट्रीय बालिका दिवस बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए जागरूकता बढ़ाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने का दिन है, जिसकी शुरुआत 2008 में हुई; जिसके माध्यम से बालिकाओं की तस्वीर बदल रही है, जहाँ अब वे शिक्षा, खेल और नेतृत्व में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या और कुपोषण जैसी चुनौतियां अभी भी हैं, जिन्हें 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाओं और कानूनों से दूर करने का प्रयास जारी है, जिससे वे समाज का गौरव और प्रगति का चेहरा बन सकें। इस दिवस का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना, लैंगिक भेदभाव को कम करना, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के महत्व पर जोर देना है। बालिकाएं अब विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रक्षा और नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। समाज में बेटियों के प्रति सोच में बदलाव आया है। कानूनी उपाय जैसे बाल विवाह निषेध अधिनियम, पोस्को अधिनियम और सरकारी योजनाएं जैसे मिशन वात्सल्य, पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन आदि बालिकाओं के कल्याण के लिए काम कर रही हैं। इन सबके बावजूद आज भी बालिकाएं शोषण एवं भेदभाव का शिकार है। बालिका लिंगानुपात में भले ही सुधार हुआ है, लेकिन बाल विवाह और कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथाएँ अभी भी मौजूद हैं। बालिकाओं में एनीमिया और कम वजन जैसी पोषण संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। पितृसत्तात्मक मानसिकता को खत्म करने और बालिकाओं को समान अवसर देने की आवश्यकता है। आजादी के अमृत काल में भारत स्वयं को एक नए आत्मविश्वास, नई आकांक्षाओं और नए संकल्पों के साथ गढ़ रहा है। इस परिवर्तनशील भारत की सबसे मजबूत आधारशिला यदि कोई है, तो वह है-बालिका। राष्ट्रीय बालिका दिवस आत्ममंथन का अवसर है कि आज हमारी बालिकाएं किस दशा में हैं, किस दिशा में बढ़ रही हैं और समाज उनके लिए कैसा भविष्य रच रहा है। यह भी प्रश्न है कि क्या हम वास्तव में उस भारत का निर्माण कर पा रहे हैं, जहां बालिका जन्म से ही बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता मानी जाए। दोनों हाथ एक साथ को चरितार्थ करते हुए पुरुष एवं नारी दोनों की शक्ति से नया भारत निर्मित हो। पिछले कुछ दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ी है, खेल, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति और उद्यमिता में बालिकाओं और महिलाओं ने असाधारण उपलब्धियां अर्जित की हैं। आज ग्रामीण भारत की बेटियां भी अंतरिक्ष विज्ञान, स्टार्टअप, सेना और सिविल सेवाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। यह परिवर्तन संकेत देता है कि आजादी के अमृत काल में महिलाओं और बालिकाओं की भूमिका केवल सहभागी नहीं, बल्कि नेतृत्वकारी होगी और यही राष्ट्र के सर्वोच्च शिखर की ओर ले जाने वाली शक्ति बनेगी। लेकिन इस उजली तस्वीर के समानांतर एक कड़वा यथार्थ भी है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। आज भी बालिकाओं और महिलाओं के विरुद्ध अपराध, शोषण, यौन हिंसा, घरेलू अत्याचार, बाल विवाह और साइबर उत्पीड़न जैसी घटनाएं समाज की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। बलात्कार और हिंसा की घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं हैं, वे हमारी सामूहिक मानसिकता की विफलता का परिणाम हैं। जब एक बच्ची की सुरक्षा घर, स्कूल, सड़क और डिजिटल दुनिया-कहीं भी सुनिश्चित नहीं होती, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि विकास के दावे अधूरे हैं। नए भारत, विकसित भारत और समता-मूलक भारत की परिकल्पना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच का केंद्रबिंदु नारी-शक्ति और विशेषकर बालिकाओं का सशक्तिकरण है। उनका दृष्टिकोण केवल कल्याणकारी योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता के रूपांतरण का आह्वान करता है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी अनेक योजनाओं ने बालिका को बोझ नहीं, बल्कि राष्ट्र की पूंजी के रूप में देखने की दृष्टि विकसित की है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, डिजिटल सशक्तिकरण और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने बालिकाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं। प्रधानमंत्री का यह स्पष्ट संदेश है कि जब तक बालिका शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर नहीं होगी, तब तक विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा। उनकी व्यापक सोच बालिका को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं, बल्कि नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की सक्रिय सहभागी मानती है। यही कारण है कि आज की बालिकाएं आत्मविश्वास के साथ विज्ञान, खेल, प्रशासन और उद्यमिता में आगे बढ़ रही हैं और आने वाला भारत नारी-शक्ति के नेतृत्व में संतुलित, समतामूलक और सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरता दिखाई देता है। समस्या की जड़ केवल अपराधी नहीं, बल्कि वह सोच है जो बालिका को कमजोर, पराधीन और सहनशील मानती है। यह सोच परिवार से शुरू होकर समाज और संस्थानों तक फैलती है। बेटा-बेटी में भेद, आज भी कई घरों में संसाधनों, अवसरों और स्वतंत्रता के वितरण में दिखाई देता है। बालिकाओं को 'संस्कार' के नाम पर चुप रहना सिखाया जाता है, जबकि बालकों को अधिकार और स्वच्छंदता। यही असमान सामाजिक प्रशिक्षण आगे चलकर हिंसा और शोषण को जन्म देता है। आज जरूरत है एक नए सामाजिक दृष्टिकोण की-ऐसे दृष्टिकोण की, जिसमें अपराध के बाद की प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि अपराध से पहले की रोकथाम केंद्र में हो। समाज को यह समझना होगा कि महिलाओं पर हो रहे अत्याचार केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिक पराजय हैं। कानून सख्त हों, यह आवश्यक है, पर उससे भी अधिक आवश्यक है सामाजिक चेतना का परिवर्तन। जब तक हम पीड़िता से प्रश्न पूछते रहेंगे, उसके कपड़े, उसका समय, उसकी स्वतंत्रता-तब तक अपराधियों का मनोबल टूटेगा नहीं। इसी के साथ बालिकाओं और महिलाओं को भी अपनी सोच को नए सिरे से गढ़ना होगा। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, मानसिक और वैचारिक भी होनी चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री नहीं, आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना होना चाहिए। बालिकाओं को यह सिखाना होगा कि वे अपने अधिकारों को पहचानें, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाएं और स्वयं को किसी भी रूप में कमतर न मानें। आज की बालिका को 'सहनशील' नहीं, 'सजग और सशक्त' बनाना समय की मांग है। शासन और प्रशासन की भूमिका भी इस परिवर्तन में निर्णायक है। योजनाएं तभी प्रभावी होंगी, जब वे जमीनी स्तर तक पहुंचें और उनका क्रियान्वयन संवेदनशीलता के साथ हो। पुलिस, न्यायपालिका, शिक्षा तंत्र और स्वास्थ्य व्यवस्था-सभी में जेंडर संवेदनशीलता को अनिवार्य बनाना होगा। फास्ट ट्रैक न्याय, पीड़िता केंद्रित प्रक्रियाएं और मानसिक परामर्श जैसी व्यवस्थाएं केवल कागजों में नहीं, व्यवहार में दिखनी चाहिए। डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन उत्पीड़न से निपटने के लिए भी विशेष रणनीति आवश्यक है। साथ ही, पुरुषों और बालकों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लैंगिक समानता केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं है। बालकों को बचपन से ही सम्मान, सह-अस्तित्व और समानता के मूल्य सिखाने होंगे। जब पुरुष स्वयं को 'रक्षक' नहीं, बल्कि 'सहयात्री' मानेंगे, तभी समाज में वास्तविक संतुलन आएगा। पितृसत्ता की जड़ें तभी कमजोर होंगी, जब परिवार में पिता और मां दोनों समान रूप से बालिका की क्षमताओं पर विश्वास करेंगे। आजादी के अमृत काल में भारत जिस 'विकसित राष्ट्र' की परिकल्पना कर रहा है, वह तब तक पूर्ण नहीं हो सकती, जब तक उसकी आधी आबादी भय, भेदभाव और असुरक्षा में जीती रहे। बालिका केवल भविष्य की नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान की निर्माता है। उसकी शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण में किया गया निवेश, राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। जब एक बालिका सुरक्षित, शिक्षित और आत्मविश्वासी होती है, तब वह केवल अपना जीवन नहीं बदलती-वह पीढ़ियों का भविष्य संवार देती है। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2026 पर यह संकल्प आवश्यक है कि हम केवल नारों और दिवस-विशेष की औपचारिकताओं तक सीमित न रहें। हमें अपने घरों, स्कूलों, कार्यस्थलों और समाज में व्यवहारिक परिवर्तन लाना होगा। सोच बदलनी होगी-बालिका को दया या संरक्षण की नहीं, सम्मान और समान अवसर की जरूरत है। जब समाज, शासन और स्वयं बालिकाएं मिलकर इस परिवर्तन की जिम्मेदारी उठाएंगी, तब निश्चित ही आजादी के अमृत काल में भारतीय बालिका राष्ट्र के सर्वोच्च शिखर पर अपनी भूमिका निभाती दिखाई देगी-न केवल प्रतीक के रूप में, बल्कि शक्ति, विवेक और भविष्य की दिशा तय करने वाली निर्णायक शक्ति के रूप में।

क्रिकेट के बहाने भारत को आंख दिखाता बांग्लादेश

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यह बात आज खेल से जुड़ी घटना भर नहीं रह गई है। इसके पीछे छिपी राजनीति, वैचारिक टकराव और क्षेत्रीय साजिशें इसे कहीं अधिक गंभीर बना देती हैं। जिस बांग्लादेश का जन्म भारत के सहयोग, बलिदान और निर्णायक भूमिका के कारण संभव हुआ, वही देश आज भारत को चुनौती देने की स्थिति में खड़ा दिखाई देता है। यह बदलाव अचानक नहीं है, कहना होगा कि इसके पीछे वर्षों से पनपती कट्टरपंथी सोच, पाकिस्तान की शह पर चलने वाली राजनीति और भारत की ढीली कूटनीतिक रणनीति की स्पष्ट झलक मिलती है। आप देख सकते हैं कि बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद यूनुस सरकार के आने के साथ ही हालात तेजी से बदले। इस बदलाव का सबसे भयावह रूप वहां के अल्पसंख्यक हिंदुओं को झेलना पड़ रहा है। लगातार हो रही हत्याएं, मंदिरों पर हमले, पलायन की विवशता और हिंसा का खुला दौर यह बताता है कि अब कट्टरपंथ केवल सामाजिक स्तर तक सीमित न होकर उसे सत्ता का मौन समर्थन भी प्राप्त है। हालांकि ऐसा नहीं है कि शेख हसीना की सरकार में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर दमन कम हो रहा था, किंतु आज जिहादी यहां सबसे अधिक सक्रिय हैं। इसी जिहादी और कट्टरपंथी माहौल में भारत विरोध को एक स्थायी एजेंडा बना लिया गया है। भारत को खुले तौर पर अपना दुश्मन मानने की मानसिकता इसी विचारधारा की देन है। देखा जाए तो आज यह स्थिति इसलिए भी अधिक पीड़ादायक लगती है क्योंकि बांग्लादेश का अस्तित्व भारत के बिना संभव नहीं था। 1971 में भारत ने अपने सैनिकों का बलिदान देकर बांग्लादेश को एक देश के रूप में पाकिस्तान के चंगुल से मुक्त कराया। इसके लिए भारत ने तात्कालीन समय में लाखों शरणार्थियों का बोझ उठाया, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान का विरोध सहा और अंततः बांग्लादेश को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। इसके बावजूद आज वही बांग्लादेश भारत को आंख दिखा रहा है। तटस्थ भाव से देखें तो यह कहीं न कहीं भारत की बांग्लादेश नीति पर भी सवाल खड़े करता है। सच; बांग्लादेश के संदर्भ में प्रतीत यही होता है कि यदि नीतियां संतुलित, होने के साथ सख्त और दूरदर्शी रही होतीं, तब शायद आज जैसी स्थिति पैदा ही नहीं होती। ताजा विवाद क्रिकेट से जुड़ा है, किंतु इसके मायने खेल से कहीं आगे राजनीतिक एवं कूटनीतिक स्तर तक जाते हैं। अगले महीने भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप आयोजित होना है। तय कार्यक्रम के अनुसार बांग्लादेश को अपने चार मुकाबले भारत में खेलने थे, जिनमें से तीन कोलकाता और एक मुंबई में होना था। किंतु इस्लामिक कट्टरपंथी यूनुस सरकार के प्रभाव में काम कर रहे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत आने से इनकार कर दिया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भारत में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 का बहिष्कार करने का ऐलान किया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने कहा- "हम ICC के साथ बातचीत जारी रखेंगे। हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन हम भारत में नहीं खेलेंगे। हम लड़ते रहेंगे।" ये भारत के साथ लड़ते रहने की सोच अपने आप भी बहुत कुछ कहती है, हालांकि कहने को इसके लिए सुरक्षा का बहाना बनाया गया है, जबकि सच्चाई यह है कि भारत दुनिया के सबसे सुरक्षित क्रिकेट आयोजक देशों में से एक है। इस पर आईसीसी ने साफ कहा कि भारत में सुरक्षा को लेकर कोई समस्या नहीं है और टूर्नामेंट शुरू होने में अब इतना समय नहीं बचा है कि स्थान बदला जा सके। इसके बावजूद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अपनी जिद पर अड़ा हुआ है। इससे यह साफ हो गया कि मामला सुरक्षा से कहीं अधिक राजनीति से जुड़ा हुआ है। आज ये क्रिकेट को हथियार बनाकर भारत पर दबाव बनाने की नाकाम कोशिश की जा रही है। ताकि भारत आगे बांग्लादेश में हो रहे हिन्दू अल्पसंख्यक अत्याचार पर चुप रहे। दूसरी ओर इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान की भूमिका बेहद अहम और संदिग्ध नजर आती है। बांग्लादेश आज जिस तरह भारत विरोधी रुख अपना रहा है, उसके पीछे पाकिस्तान का उकसावा साफ दिखता है। कहना यही होगा कि कुल मिलाकर यह पूरा मामला राजनीति और कट्टर सोच का नतीजा है, जिसमें खेल को सिर्फ एक माध्यम बनाया गया है। बांग्लादेश का यह रवैया दर्शाता है कि वहां की सरकार और संस्थाएं तर्क, सत्ता पक्ष एवं वास्तविकताओं के आधार पर नहीं वह भावनात्मक और वैचारिक कट्टरता से संचालित हो रही हैं। इस्लाम के नाम पर आज पाकिस्तान के साथ खड़े होकर भारत विरोध करना उन्हें शायद तात्कालिक संतोष दे, किंतु इतना तय है कि लंबे समय में यह उनके ही हितों के खिलाफ जाएगा। भारत के लिए यह समय आत्ममंथन का है। बार बार दोस्ती का हाथ बढ़ाने, सहायता देने और उदारता दिखाने के बावजूद यदि जवाब शत्रुता में मिलती है, तब उस स्थिति में उसे अपनी रणनीति पर विचार करना चाहिए और बांग्लादेश के साथ संबंधों पर नीति में बदलाव जरूरी हो जाता है। यह सच है कि पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध महत्वपूर्ण हैं, किंतु इसका अर्थ कतई ये नहीं कि यह संबंध आत्मसम्मान, राष्ट्रीय सुरक्षा और देश हित की कीमत पर आगे बढ़ाए जाते रहें। बांग्लादेश के संदर्भ में भारत को अब भावनाओं से काम नहीं लेना चाहिए, उसे आज स्पष्ट और मजबूत नीति के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। अंत में यही कि क्रिकेट के बहाने भारत को आंख दिखाने की यह कोशिश वास्तव में बांग्लादेश की बदलती वैचारिक मानसिकता, उसकी दिशा, पाकिस्तान की साजिश और भारत की कमजोर कूटनीतिक चुनौतियों का संयुक्त परिणाम है। यह घटना एक चेतावनी भी है कि यदि भारत ने समय रहते अपनी रणनीति को मजबूत नहीं किया, तब उस स्थिति में भविष्य में ऐसे और उदाहरण सामने आ सकते हैं, जहां भारत की सहनशीलता को उसकी कमजोरी समझता जाता रहेगा।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। जॉब कर रहे लोगों को आज दिए गए काम को समय पर पूरा करना होगा, नहीं तो सीनियर से डांट भी पड़ सकती है। लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे आज एक-दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपके व्यापार में सामान्य रूप से लाभ बना रहेगा। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरते। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोडा अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा, इससे आपका उत्साह बढेगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आपके आय के नए स्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलोगी। आज आप जो भी काम करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। खास रिश्तेदार आज आपके बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

सिंह राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से साझेदारी करने पर विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है। कला से जुड़े लोगों का समाज में मान सम्मान बढ़ेगा, आपकी क्रिएटिविटी की लोग सराहना करेंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज बेवजह की उलझन से दूर होकर आप किसी मंदिर किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना समय बिताएंगे। आज यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं, यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आज आप अपने खाली समय में अपनी अच्छाइयों और कमियों के बारे में विचार करेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन उल्लास से भरा रहने वाला है। बिजनेस के किसी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। आपका काम अच्छे से पूरा होगा। रोजमर्रा की जिंदगी में आज कुछ नयापन आ सकता है। इस राशि के बच्चों को उनके शिक्षकों से तारीफ मिलेगी। बड़े-बुजुर्ग अपने किसी बचपन के दोस्त से मिल सकते हैं।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। साथ ही लेन-देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। करियर में आपको गुरुजन का मार्गदर्शन मिलने से आसानी होगी आप जीवन में आगे बढ़ेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा। जीवनसाथी के साथ डिनर करने का प्रोग्राम बनायेंगे, जिससे रिश्तों में मिठास आयेगी। आज आपको सामाजिक स्तर पर लोगों की मदद के लिए मौका मिल सकता है, आपका रुतबा बढ़ेगा।

मकर राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज परिवार में हर्षोल्लास का माहौल बना रहेगा। आज आपके दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहने से खुशियां बढ़ेगी। आज सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरूस्त रहेंगे। विद्यार्थियों को लक्ष्य पाने के लिए शिक्षकों का पूरा मार्गदर्शन मिलेगा। आज आपके काम करने की कला से लोग प्रभावित होंगे। लेखन से जुड़े लोगों को आज बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है, यह खुशखबरी आपके जीवन को बदल सकती है।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा। आज आपको कामों में राजनीतिक रिश्ते का फायदा मिलेगा। आपका ख़ास काम करीबी दोस्त की सहायता से पूरा हो जायेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नये तरीकों पर विचार करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। नए वाहन का सुख मिलने के योग हैं। आज जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलने से आपको ख़ुशी होगी।

बेटियों के सम्मान से ही संभव है राष्ट्र का उत्थान

योगेश कुमार गोयल

हर साल 24 जनवरी को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जाता है, जो केवल एक दिवस मात्र नहीं है बल्कि भारतीय समाज के आत्ममंथन और उत्तरदायित्व बोध का दिवस है। यह वह अवसर है, जब हम यह सोचने को विवश होते हैं कि क्या हमारी बेटियां वास्तव में सुरक्षित हैं, क्या उन्हें समान अवसर मिल रहे हैं और क्या समाज ने उन्हें बोझ नहीं बल्कि संभावना के रूप में स्वीकार किया है? बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उनके साथ होने वाले भेदभाव और हिंसा के विरुद्ध सामूहिक चेतना विकसित करने तथा उनके सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनाने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। जब तक देश की बालिकाएं सशक्त नहीं होंगी, तब तक न तो समाज संतुलित हो सकता है और न ही राष्ट्र प्रगति के शिखर को छू सकता है। एक समय था, जब भारतीय समाज में बेटी का जन्म चिंता का विषय माना जाता था। पुत्र मोह, सामाजिक कुरीतियां, दहेज जैसी अमानवीय परंपराएं और आर्थिक असुरक्षा की मानसिकता ने बेटियों को कोख में ही मार देने जैसी जघन्य प्रवृत्तियों को जन्म दिया। कन्या भ्रूण हत्या और बाल विवाह लंबे समय तक सामाजिक स्वीकृति के साथ फलते-फूलते रहे, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप देश का लिंगानुपात बुरी तरह बिगड़ गया। हालांकि आजादी के बाद से ही सामाजिक चेतना, कानूनों और सरकारी हस्तक्षेपों के माध्यम से इस सोच को बदलने के प्रयास हुए लेकिन यह सच है कि मानसिकता में बदलाव सबसे कठिन प्रक्रिया होती है। राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का निर्णय वर्ष 2008 में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा लिया गया था और पहली बार 24 जनवरी 2009 को यह दिवस मनाया गया था। यह दिवस मनाए जाने की शुरुआत करने का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं बल्कि बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस सामाजिक संकल्प को मजबूती देना था। यूनिसेफ स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बालिका को सुरक्षित, स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से युक्त बचपन का अधिकार है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार किसी भी देश की जनसांख्यिकीय और आर्थिक स्थिरता का सीधा संबंध वहां की महिलाओं और बालिकाओं की स्थिति से जुड़ा होता है। भारत में बीते दो दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, समग्र शिक्षा अभियान, किशोरी शक्ति योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, उच्च शिक्षा में आरक्षण और सैन्य सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी जैसे कदमों ने बालिकाओं के लिए नए द्वार खोले हैं। आज बालिकाएं शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, राजनीति, रक्षा, अंतरिक्ष और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में न केवल भागीदारी निभा रही हैं बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका में भी दिखाई दे रही हैं। यह परिवर्तन बताता है कि अवसर मिलने पर बालिकाएं

किसी से कम नहीं हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के समानांतर एक भयावह यथार्थ भी मौजूद है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्टें बताती हैं कि बालिकाओं और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी आने के बजाय कई क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज की जा रही है। देश में यौन शोषण, घरेलू हिंसा, बाल तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न और साइबर अपराधों के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह तथ्य अत्यंत चिंताजनक है कि अधिकांश अपराध घर या परिचित परिवेश में ही होते हैं, जहां बालिकाएं स्वयं को सबसे अधिक सुरक्षित समझती हैं। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय की वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में विश्वभर में 85 हजार महिलाओं और लड़कियों की हत्या हुई, जिनमें से 60 फीसदी यानी करीब 51 हजार हत्याएं महिलाओं और लड़कियों के परिवार के सदस्यों, करीबी रिश्तेदारों या उनके पार्टनर ने की। औसतन प्रतिदिन लगभग 140 महिलाएं और बालिकाएं अपने घरों में हिंसा का शिकार होकर जीवन गंवा रही हैं। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी महिलाओं और लड़कियों की हत्या के हजारों मामले सामने आना यह दर्शाता है कि लैंगिक हिंसा केवल विकासशील देशों की समस्या नहीं, बल्कि एक वैश्विक मानवीय संकट है। भारत में स्थिति इसलिए और गंभीर हो जाती है क्योंकि यहां अपराध के साथ-साथ सामाजिक चुप्पी और पीड़िता को दोष देने की मानसिकता भी जुड़ी हुई है। कई मामलों में न्याय प्रक्रिया की धीमी गति, सामाजिक दबाव और भय के कारण अपराध दर्ज ही नहीं हो पाते। बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों में वृद्धि इस बात का संकेत है कि कानून तो बने हैं लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक चेतना में अभी भी गंभीर कमी है। यह भी सच है कि बालिकाओं को आज भी समानता साबित करने के लिए बालकों की तुलना में कहीं अधिक संघर्ष करना पड़ता है। शिक्षा से लेकर कैरियर, स्वतंत्रता से लेकर सुरक्षा तक, हर स्तर पर उन्हें अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लैंगिक भेदभाव केवल किसी एक चरण तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह बालिका के जन्म से लेकर जीवन के हर पड़ाव पर उसका पीछा करता है। यही कारण है कि बालिका दिवस जैसे आयोजनों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। कुल मिलाकर, राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें यह स्मरण दिलाता है कि सशक्तिकरण केवल योजनाओं और नारों से संभव नहीं है, इसके लिए परिवार, समाज, शिक्षा व्यवस्था, मीडिया और शासन, सभी को मिलकर अपनी भूमिका निभानी होगी। बालिकाओं को भयमुक्त वातावरण देना, उनकी बात सुनना, उनकी पसंद का सम्मान करना और उन्हें निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना ही वास्तविक सशक्तिकरण है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रिंकू बेहतरीन फिनिशर, उन्हें लगातार अवसर दिये जायें : साइमन डूल

एजेंसी, ऑकलैंड

न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने क्रिकेटर रिंकू सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक बेहतरीन फिनिशर है पर उसे अभी तक भारतीय टीम में काफी कम अवसर मिले हैं। साइमन ने कहा कि जब भी अवसर मिला है रिंकू ने अपने को साबित किया है। रिंकू ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही टी20 में केवल 20 गेंदों पर ही चार चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 44 रन बनाए। इसी को देखते हुए साइमन ने कहा कि रिंकू की क्षमता और निरंतरता को देखते हुए वह अब तक उन्हें काफी ज्यादा मैच खेल लेने थे। साथ ही कहा कि अब जबकि उनकी प्रतिभा सभी ने देखी है तब उन्हें नियमित रुप से टीम में जगह मिलनी चाहिए थी। साइमन ने रिंकू को अभी के समय के बेहतरीन फिनिशर्स में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि रिंकू ने आईपीएल में चार-पांच साल पहले ही अपनी प्रतिभा दिखा दी थी। अंतिम ओवरों में बड़े शॉट खेलने की उनकी क्षमता और दबाव में शांत रहने का स्वभाव उन्हें विशेष बनाता है। डूल का मानना है कि भारत ने रिंकू की प्रतिभा की क्षमताओं का अभी पूरा उपयोग नहीं किया है। साल 2023 में टी20 में डेब्यू करने के बाद से ही रिंकू ने अब तक केवल 36 अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले खेले हैं हालांक उन्होंने कई बार मैच विजेता पारियां खेलकर अपनी उपयोगिता साबित की है। उन्हें टी20 विश्वकप 2026 की भारतीय टीम में शामिल किया गया है। जिससे साबित होता है कि प्रबंधन को उनकी फिनिशिंग क्षमता पर भरोसा हो गया है। ऐसे में वह भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

रणजी ट्रॉफी में सरफराज खान ने खेली एक और ऐतिहासिक पारी, 206 गेंदों में लगाया शानदार दोहरा शतक

एजेंसी, मुंबई

मुंबई के स्टार बल्लेबाज सरफराज खान ने रणजी ट्रॉफी में एक और यादगार पारी खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ दोहरा शतक जड़ दिया। शुक्रवार को सरफराज ने 206 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया, जो उनके प्रथम श्रेणी करियर की पांचवीं डबल सेंचुरी है। इस पारी के दौरान सरफराज ने अपना 17वां प्रथम श्रेणी शतक भी पूरा किया, जो 2025–26 सत्र का उनका पहला शतक रहा। 2019–20 सत्र के बाद से रणजी ट्रॉफी में सरफराज से ज्यादा शतक सिर्फ अमनदीप खरे और अनुष्टुप मजूमदार ने लगाए हैं। सरफराज की यह पारी आखिरकार 219 गेंदों में 227 रन पर समाप्त हुई। उन्होंने अपनी पारी में 19 चौके और 9 छक्के लगाए और 103.65 के शानदार स्ट्राइक रेट से रन बनाए। इस पारी की खास बात भारतीय टीम के साथी गेंदबाज मोहम्मद सिराज के खिलाफ उनका आक्रामक अंदाज रहा, जिनकी गेंदों पर सरफराज ने महज 39 गेंदों में 45 रन बटोर लिए। हाल के दिनों में सरफराज खान शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने 2025–26 विजय हजारे ट्रॉफी के सातवें राउंड में पंजाब के खिलाफ महज 15 गेंदों में अर्धशतक जड़कर सनसनी मचा दी थी। यह लिस्ट-ए क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाया गया सबसे तेज अर्धशतक था। इस दौरान सरफराज ने महाराष्ट्र के अभिजीत काले (1995 में बड़ौदा के खिलाफ 16 गेंदों में अर्धशतक) और बड़ौदा के ऑलराउंडर आतित शेठ (2021 में छत्तीसगढ़ के खिलाफ 16 गेंदों में अर्धशतक) के संयुक्त रिकॉर्ड को तोड़ दिया। विजय हजारे ट्रॉफी में सरफराज मुंबई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने छह पारियों में 303 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 75.75 और स्ट्राइक रेट 190.56 रहा। इसके अलावा 2025–26 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी सरफराज का बल्ला जमकर बोला, जहां वह मुंबई के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने सात मैचों में 329 रन बनाए, औसत 65.80 और स्ट्राइक रेट 203.80 रहा। सरफराज ने आखिरी बार नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में भारत के लिए खेला था, लेकिन इसके बाद से वह घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी बेहतरीन फॉर्म का इनाम उन्हें आईपीएल 2026 की नीलामी में भी मिला, जहां चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें उनके बेस प्राइस 75 लाख रुपये में खरीदा। सरफराज खान की यह पारी एक बार फिर साबित करती है कि वह घरेलू क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद और आक्रामक बल्लेबाजों में से एक हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हुए एडम मिल्ने, काइल जैमीसन को मिला मौका

एजेंसी, वेलिंगटन

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड टीम को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज एडम मिल्ने बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह काइल जैमीसन को न्यूजीलैंड के वर्ल्ड कप स्क्वॉड में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, मिल्ने को यह चोट पिछले सप्ताहांत एसए 20 लीग के दौरान गेंदबाजी करते समय लगी। स्कैन में उनकी बाईं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव (टियर) की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर करने का फैसला लिया गया। काइल जैमीसन को पहले फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर चुना गया था। वह इस समय भारत दौरे पर न्यूजीलैंड की व्हाइट-बॉल टीम का हिस्सा हैं। मिल्ने के बाहर होने के बाद जैमीसन को सीधे मुख्य वर्ल्ड कप टीम में प्रमोट कर दिया गया है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने मिल्ने के बाहर होने पर दुख जताया। उन्होंने कहा, "एडम के लिए हम सभी बेहद दुखी हैं। उन्होंने इस टूर्नामेंट के लिए खुद को तैयार करने में बहुत मेहनत की थी और ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए खेले गए आठ मैचों में वह अपनी बेहतरीन लय में नजर आ रहे थे।" वॉल्टर ने आगे कहा, "यह एडम के लिए दुर्भाग्यपूर्ण समय है और हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं।" टी20 वर्ल्ड कप 2026 से ठीक पहले मिल्ने का बाहर होना न्यूजीलैंड के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जबकि लंबे कद के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन के शामिल होने से टीम को नई मजबूती मिलने की उम्मीद की जा रही है।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः अल्कराज ने मौटे को सीधे सेटों में हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, मेलबर्न

स्पेन के युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्कराज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को फ्रांस के कोरेंटिन मौटे को सीधे सेटों में हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश कर लिया। अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मुकाबले में अल्कराज ने 6-2, 6-4, 6-1 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला दो घंटे पांच मिनट तक चला। 22 वर्षीय छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्कराज रॉड लेवर एरीना पर पूरी तरह हावी नजर आए। इस जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका मुकाबला अमेरिका के 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल से तय हो गया है। अल्कराज अब तक ऑस्ट्रेलियन ओपन में क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ सके हैं और यह इकलौता ग्रैंड स्लैम है जो उनके खिताबी संग्रह में शामिल नहीं है। अगर वह यहां खिताब जीतते हैं, तो चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, "कोरेंटिन जैसे खिलाड़ी के खिलाफ खेलना आसान नहीं होता, क्योंकि आप नहीं जानते कि अगला शॉट क्या होगा। लेकिन कोर्ट पर मुझे काफी मजा आया।" यह अल्कराज के करियर का 100वां ग्रैंड स्लैम मैच था और इस दौरान उनका रिकॉर्ड 87 जीत और 13 हार का रहा, जो दिग्गज ब्योर्न बॉर्ग के रिकॉर्ड की बराबरी करता है।

होबार्ट हरिकेन्स को लगा बड़ा झटका, बीबीएल के शेष मैचों से बाहर हुए नाथन एलिस

एजेंसी, सिडनी

बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025–26 के फाइनल चरण से पहले होबार्ट हरिकेन्स को करारा झटका लगा है। टीम के कप्तान और स्टार तेज गेंदबाज नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। इसके चलते वह सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ होने वाले चैलेंजर मैच में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। एलिस इससे पहले मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ बारिश से प्रभावित मुकाबले में भी नहीं खेल सके थे। हालांकि, वह चैलेंजर मैच के लिए सिडनी पहुंचे थे और हरिकेन्स की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किए गए थे। उम्मीद थी कि वह अहम मुकाबले में वापसी करेंगे, लेकिन एससीजी में मैच शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। उनकी जगह बल्लेबाज चार्ली वाकिम को टीम में शामिल किया गया है। होबार्ट हरिकेन्स ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा, "क्लब इस बात की पुष्टि करता है कि कप्तान नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण बीबीएल सीजन और बीबीएल 15 फाइनल्स के बाकी मुकाबलों से बाहर रहेंगे। एलिस, जो बुधवार रात खेले गए नॉकआउट मैच में भी नहीं खेल पाए थे, फाइनल्स के आखिरी दो मैचों में वापसी की कोशिश कर रहे थे, लेकिन दुर्भाग्यवश वह चोट से उबर नहीं सके।" एलिस की गैरमौजूदगी में बेन मैकडरमॉट टीम की कमान संभालते रहेंगे। उन्होंने मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ मुकाबले में भी कप्तानी की थी। वहीं तेज गेंदबाज बिली स्टैनलेक के अंतिम एकादश में बने रहने की संभावना है। इसके अलावा हरिकेन्स मैनेजमेंट क्रिस जॉर्डन की फिटनेस पर भी नजर बनाए हुए है। जॉर्डन ने नॉकआउट मैच में टखने की चोट और होबार्ट में खराब मौसम के कारण केवल बल्लेबाज के रूप में ही हिस्सा लिया था। गौरतलब है कि नाथन एलिस ऑस्ट्रेलिया की टी20 वर्ल्ड कप टीम का भी हिस्सा हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उम्मीद जताई है कि वह मेगा इवेंट से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे।

व्यापार

रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 91.41 डॉलर पर खुला

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 91.45 प्रति डॉलर पर खुला और फिर बढ़कर 91.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव 91.58 प्रति डॉलर से 17 पैसे अधिक है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.58 पर बंद हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ग्रीनलैंड को लेकर यूरोप पर शुल्क लगाने की योजना से पीछे हटने के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा। इससे व्यापार युद्ध की आशंकाएं कम हुईं और निवेशक जोखिम लेने के लिए तैयार हुए। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी बढ़कर 98.36 पर रहा। डॉलर में मजबूती के कारण उभरती बाजारों की मुद्राओं में मामूली सुधार देखने को मिला।

जोमैटो ने गुरुग्राम में 2.33 करोड़ रुपए मासिक किराए पर लिया ऑफिस

गुरुग्राम। जोमैटो की पैरेंट कंपनी, इटरनल लिमिटेड ने गुरुग्राम के इंटेलियन पार्क में सात मंजिला कार्यालय स्थान 2.33 करोड़ रुपए के मासिक किराए पर लिया है। फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कंपनी ने यह स्पेस गुरुग्राम के सेक्टर 59 स्थित इंटेलियन पार्क में लिया है। दस्तावेजों के मुताबिक यह लीज मकान मालिक मिकाडो रिएल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ हुई है। लीज्ड परिसर में ग्राउंड फ्लोर और चौथी से नौवीं मंजिल शामिल है, जिसका कुल चार्जेबल एरिया 2,78,249 वर्ग फुट है। लीज अक्टूबर 2025 से शुरू हुई है। जोमैटो प्रति वर्ग फुट 84 रुपए प्रति माह किराया देगी। कंपनी ने छह महीने के किराए के बराबर सुरक्षा जमानत राशि भी जमा करा दी है। दस्तावेजों के मुताबिक लीज की अवधि चार साल और 11 महीने है, जिसमें तीन साल बाद किराए में 15 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। लीज करार में तीन साल की लॉक-इन अवधि भी शामिल है, जिस दौरान किराएदार या मकान मालिक में से कोई भी अनुबंध खत्म नहीं कर सकता। इस लीज डील में रेंट फ्री फिट-आउट की अवधि छह महीने और 14 दिन की है, जिससे जोमैटो को किराया देने से पहले ऑफिस स्पेस को तैयार और कस्टमाइज करने का समय मिलेगा। इस डील में 371 कार पार्किंग स्पेस भी शामिल है, जिनकी गणना 750 वर्ग फुट पर एक पार्किंग स्पेस के हिसाब से की गई है। प्रोपस्टैक के सह-संस्थापक ने कहा कि जोमैटो की इंटेलियन पार्क में 2.7 लाख वर्ग फुट की यह लीज एनसीआर के ऑफिस बाजार के लिए एक बड़ा कदम है। हाल के दिनों में ऑफिस स्पेस की मांग ज्यादातर ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स से आ रही थी, ऐसे में जोमैटो जैसी देशी कंपनी का इतने बड़े पैमाने पर विस्तार होमग्रोन टेक इकोसिस्टम में मजबूत विश्वास दिखाता है। गुरुग्राम, विशेष रूप से गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड कॉरिडोर के लिए यह इस क्षेत्र को शीर्ष प्रतिभा और कॉर्पोरेट मुख्यालयों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करता है। इससे पहले जोमैटो का बी2बी सप्लाई विंग जोमैटो हाइपरप्योर ने मुंबई के पास, ठाणे जिले के भिवंडी में 5.53 लाख वर्ग फुट का एक बड़ा वेयरहाउस स्पेस करीब 1.7 करोड़ रुपए प्रति माह के किराए पर लीज पर लिया था। यह वेयरहाउस जुईजिन डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड से चार साल और सात महीने की अवधि के लिए लीज पर लिया गया था। लीज करार के मुताबिक इसकी हस्तांतरण तिथि 1 सितंबर, 2025 निर्धारित थी, जिसके बाद रेंट फ्री फिट-आउट की 150 दिनों की अवधि थी।

पीएसजीआईसी, नाबार्ड और आरबीआई के लिए वेतन और पेंशन रिवीजन को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों (पीएसजीआईसी) और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के लंबे समय से रुके वेतन संशोधन को मंजूरी दे दी है। साथ ही सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और नाबार्ड के रिटायर कर्मचारियों के पेंशन संशोधन को भी मंजूरी दी है। केंद्र सरकार के इस फैसले से लगभग 46322 कर्मचारियों, 23570 पेंशनभोगियों और 23260 पारिवारिक पेंशनभोगियों को फायदा होगा। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि पीएसजीआईसी के कर्मचारियों के लिए वेतन संशोधन 01 अगस्त, 2022 से लागू होगा। वेतन बिल में कुल 12.41 फीसदी की बढ़ोतरी होगी, जिसमें मौजूदा बेसिक पे और महंगाई भत्ते में 14 फीसदी की वृद्धि शामिल है। इस संशोधन से कुल 43,247 सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों के कर्मचारियों को फायदा होगा। इस बदलाव में 01 अप्रैल 2010 के बाद नौकरी ज्वाइन करने वाले कर्मचारियों के बेहतर भविष्य के लिए एनपीएस योगदान को 10 फीसदी से बढ़ाकर 14 फीसदी करने का भी प्रावधान है। वित्त मंत्रालय ने आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पारिवारिक पेंशन को 30 फीसदी की समान दर पर संशोधित किया है, जिससे कुल 15,582 मौजूदा फैमिली पेंशनर्स में से 14,615 फैमिली पेंशनर्स को फायदा होगा। इस पर कुल खर्च 8,170.30 करोड़ रुपये होगा, जिसमें (वेतन रिवीजन के बकाया के लिए 5,822.68 करोड़ रुपये, एपीएस के लिए 250.15 करोड़ रुपये और फैमिली पेंशन के लिए 2,097.47 करोड़ रुपये) शामिल है। मंत्रालय के मुताबिक केंद्र सरकार की ओर से 1 नवंबर, 2022 से नबार्ड के सभी ग्रुप 'ए', 'बी' और 'सी' कर्मचारियों के वेतन और भत्तों में लगभग 20 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। इससे लगभग 3,800 सेवारत और पूर्व कर्मचारियों को फायदा होगा। पे रिवीजन से सालाना वेतन बिल में लगभग 170 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा और बकाया का कुल भुगतान लगभग 510 करोड़ रुपये होगा। पेंशन में बदलाव से एक बार में 50.82 करोड़ रुपये का एरियर पेमेंट होगा। साथ ही नाबार्ड के 269 पेंशनर्स और 457 फैमिली पेंशनर्स को हर महीने पेंशन पेमेंट में 3.55 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च होगा। इसके अलावा सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के रिटायर हुए कर्मचारियों की पेंशन और फैमिली पेंशन में बदलाव को मंजूरी दे दी है। मंजूर किए गए बदलाव के तहत, 1 नवंबर, 2022 से बेसिक पेंशन प्लस महंगाई राहत पर पेंशन और फैमिली पेंशन में 10 फीसदी की बढ़ोतरी की जाएगी। इससे सभी रिटायर लोगों की बेसिक पेंशन में 1.43 गुना की बढ़ोतरी होगी, जिससे उनकी मासिक पेंशन में काफी सुधार होगा। इस रिवीजन से कुल 30,769 लाभार्थियों को फायदा होगा, जिसमें 22,580 पेंशनभोगी और 8,189 पारिवारिक पेंशनभोगी शामिल हैं।

महिंद्रा थार, थार रॉक्स और एक्सयूवी 3एक्सओ की कीमतों में इजाफा

नई दिल्ली। देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी तीन लोकप्रिय एसयूवी महिंद्रा थार, थार रॉक्स और एक्सयूवी 3एक्सओ की कीमतों में इजाफा कर दिया है। महिंद्रा ने नई एक्स-शोरूम कीमतें लागू कर दी हैं, जिसका असर सभी सेगमेंट के खरीदारों पर साफ नजर आ रहा है। बढ़ी हुई कीमतें एंट्री लेवल से लेकर टॉप वैरिएंट तक लागू की गई हैं। ऑफ-रोडिंग के शौकीनों की पसंद महिंद्रा थार अब पहले के मुकाबले ज्यादा कीमत पर उपलब्ध होगी। कंपनी ने इसके बेस वैरिएंट को छोड़कर लगभग सभी वैरिएंट्स की कीमतों में करीब 20 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की है। हालांकि थार की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 9.99 लाख रुपये पर बरकरार रखी गई है, लेकिन इसका टॉप वैरिएंट अब 17.19 लाख रुपये तक पहुंच गया है। अलग-अलग इंजन और ट्रांसमिशन विकल्पों में यह बढ़ोतरी लगभग 1 से 1.6 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई है। महिंद्रा की ज्यादा प्रीमियम एसयूवी थार रॉक्स भी इस बार महंगाई से अछूती नहीं रही। जनवरी 2026 में इसके अलग-अलग वैरिएंट्स की कीमतों में करीब 21 हजार रुपये तक का इजाफा किया गया है। नई कीमतों के बाद थार रॉक्स की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 12.39 लाख रुपये हो गई है, जबकि टॉप वैरिएंट की कीमत बढ़कर 22.25 लाख रुपये तक पहुंच गई है। इसके अलावा महिंद्रा की कॉम्पैक्ट एसयूवी एक्सयूवी 3एक्सओ की कीमतों में भी करीब 17 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। नई दरों के अनुसार इसकी शुरुआती कीमत 7.37 लाख रुपये और टॉप वैरिएंट की कीमत 14.55 लाख रुपये हो गई है।

हल्की बढ़त के बाद भारतीय बाजार में उतार-चढ़ाव

सेंसेक्स हल्की बढ़त लेकर 82,335 पर, निफ्टी 25300 के करीब

मुंबई। एशियाई शेयर बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार ने हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को हल्की बढ़त के साथ शुरुआत की। हालांकि, शुरुआती कारोबार में ही बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक तनावों के कारण निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपनाते नजर आए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स मामूली बढ़त के साथ 82,335 अंक पर खुला। लेकिन खुलने के कुछ ही देर बाद इसमें कमजोरी दिखने लगी। इसके बाद सेंसेक्स 9.43 अंक की मामूली गिरावट के साथ 82,297.94 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 25,344.60 अंक पर खुला। शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद यह 11.05 अंक की हल्की बढ़त के साथ 25,300 के स्तर पर बना रहा। बाजार की चाल पर आज जारी होने वाले अमेरिका के महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों का असर देखने को मिल सकता है। निवेशकों की नजर खासतौर पर अमेरिका की जीडीपी ग्रोथ और कोर महंगाई (मुख्य मुद्रास्फीति) के आंकड़ों पर टिकी हुई है। इन आंकड़ों से फेडरल रिजर्व की भविष्य की ब्याज दर नीति को लेकर संकेत मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, जापान के केंद्रीय बैंक (बैंक ऑफ जापान) की मौद्रिक नीति को लेकर आने वाले फैसले पर भी बाजार की नजर बनी हुई है। माना जा रहा है कि इस फैसले से एशियाई बाजारों की दिशा तय हो सकती है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है। वहीं एशियाई बाजारों में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान शेयरों में मामूली बढ़त देखी गई। जापान के केंद्रीय बैंक की नीति बैठक से पहले यह व्यापक रूप से उम्मीद की जा रही है कि वह ब्याज दरों को यथावत रखेगा। जापान के बाहर एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शेयरों का सबसे व्यापक एमएससीआई इंडेक्स 0.4 प्रतिशत प्रतिशत ऊपर था। जबकि निक्केई 225 इंडेक्स 0.2 प्रतिशत की हल्की बढ़त दर्ज की गई। S&P 500 फ्यूचर्स में उतार-चढ़ाव रहा और अंतिम बार 0.01 प्रतिशत ऊपर कारोबार करता दिखा।

सोना-चांदी ने रचा इतिहास, सोना 1.59 लाख एवं चांदी 3,33,300 के पार

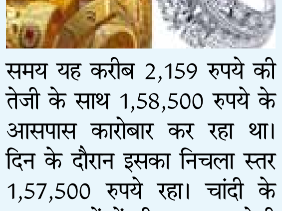

नई दिल्ली। सोने और चांदी के भावों में शुक्रवार को जबरदस्त उछाल देखने को मिला। घरेलू और वैश्विक दोनों ही बाजारों में कीमती धातुओं ने नए रिकॉर्ड बना दिए। निवेशकों की मजबूत खरीदारी और अंतरराष्ट्रीय संकेतों के चलते सोना-चांदी के दाम ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंच गए। घरेलू वायदा बाजार की बात करें तो मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट ने तेज शुरुआत की। यह 2,548 रुपये की बढ़त के साथ 1,58,889 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,56,341 रुपये था। कारोबार के दौरान सोने का वायदा भाव 1,59,226 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। इस समय यह करीब 2,159 रुपये की तेजी के साथ 1,58,500 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसका निचला स्तर 1,57,500 रुपये रहा। चांदी के वायदा भावों में भी जबरदस्त तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 6,044 रुपये की बढ़त के साथ 3,33,333 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 3,27,289 रुपये था। कारोबार के दौरान चांदी ने 3,39,927 रुपये प्रति किलो का नया रिकॉर्ड बनाया। खबर लिखे जाने के समय यह करीब 9,611 रुपये की तेजी के साथ 3,36,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोना-चांदी ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। कॉमेक्स पर सोना 4,836.20 डॉलर प्रति औंस पर खुला और कारोबार के दौरान 4,970 डॉलर प्रति औंस के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच गया। वहीं चांदी के वायदा भाव 96.32 डॉलर प्रति औंस पर खुले और दिन के दौरान 99.20 डॉलर प्रति औंस के उच्चतम स्तर को छू लिया। मजबूत वैश्विक मांग और सुरक्षित निवेश की बढ़ती प्रवृत्ति से कीमती धातुओं में यह ऐतिहासिक तेजी देखने को मिल रही है।

डेटिंग के लिए प्रोफेशन नहीं, इंसान मायने रखता है : शिवांगी जोशी

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री शिवांगी जोशी अपने शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह रखती हैं। उन्होंने हाल ही में डेटिंग और रिलेशनशिप को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। अभिनेत्री ने हाल ही में बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉपुलर पॉडकास्ट ऑनेस्टली, व्हाई नॉट? में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शिरकत की थी। इस शो में होस्ट ने अभिनेत्री से मनोरंजन जगत के लोगों को डेट करने के बारे में सवाल किया था। होस्ट ने पूछा था कि क्या वे इंडस्ट्री के लड़कों को डेट करना पसंद करेंगी या नहीं। इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने साफ तरीके से कहा कि उनके लिए किसी भी रिश्ते की नींव इंसानियत, आदर और आपसी समझ पर टिकी होना जरूरी है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि प्यार का किसी इंडस्ट्री या प्रोफेशन से कोई लेना-देना है। यह पूरी तरह से इंसान पर निर्भर करता है। असल में ये सब सम्मान, समझदारी, सच्चा प्यार और अच्छे मूल्यों पर आधारित होता है। इसलिए किसी का प्रोफेशन मेरे लिए मायने नहीं रखता है। हालांकि, अभिनेत्री अपनी लव लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं। उनका नाम मोहसिन खान और कुशाल टंडन के साथ जोड़ा जाता है। शिवांगी ने अपने करियर में टीवी से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक में काम किया है, लेकिन आज भी फैंस उन्हें ये रिश्ता क्या कहलाता है से पहचानते हैं। इस शो में वे नायरा के किरदार में नजर आई थीं। शो में उनके अपोजिट मोहसिन खान नजर आए थे। कहा जाता है कि शो के दौरान दोनों रिलेशन में थे। हालांकि, फिर उन्होंने ब्रेकअप कर लिया था, लेकिन दोनों ने कभी भी अपने ब्रेकअप को लेकर बात नहीं की। इसके बाद अभिनेत्री टीवी सीरियल बरसातें में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ कुशाल टंडन थे। शो के दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई और बाद में प्यार में बदल गई थी। वहीं, कुछ समय बाद उनके ब्रेकअप की खबरें सामने आईं। इस बात की पुष्टि खुद कुशाल ने सोशल मीडिया पर की थी, यह बताते हुए कि वे अब साथ नहीं हैं और उनकी सोच नहीं मिलती थी।

तेजस्वी प्रकाश ने तस्वीरों के जरिए दिखाई अपनी अब तक की शानदार जर्नी

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश मनोरंजन जगत में काफी समय से काम कर रही हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में तेजस्वी अपने पुराने सीरियल के किरदार में नजर आ रही हैं। कुछ फोटोज में वे अपने उस समय के लुक में दिख रही हैं, तो कुछ में वे अपने दोस्तों और साथी कलाकारों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं कुछ तस्वीरें फोटोशूट की हैं, जहां वे स्टाइलिश और ट्रेंडी कपड़ों में पोज दे रही हैं। ये तस्वीरें उनके सफर की शुरुआत को दर्शाती हैं, जब वे टीवी स्क्रीन पर पहली बार दर्शकों के सामने आई थीं। तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा, 2016 मेरा दिल है और हमेशा ऐसा ही रहेगा। फैंस अभिनेत्री की तस्वीरों को देखते ही ढेर सारे लाइक और कमेंट्स कर रहे हैं। वहीं, कई यूजर्स तरह तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अभिनेत्री ने टेलीविजन में 2612 से डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने रश्मि भार्गव का किरदार निभाया था, लेकिन उन्हें असली पहचान कलर्स टीवी के शो स्वरागिनी में रागिनी के किरदार से मिली थी। इसके बाद 2018 में वे कर्ण संगिनी और सिलसिला बदलते रिश्तों का में भी नजर आईं। तेजस्वी प्रकाश 2017 में सोनी टीवी के टीवी सीरियल पहरेदार पिया की में दिया सिंह के तौर पर मुख्य भूमिका में नजर आई थीं, लेकिन बाल विवाह केंद्रित कहानी होने के कारण प्रसारण के कुछ दिन बाद ही सीरियल विवादों में घिर गया था। दरअसल, इस सीरियल में दिया सिंह की शादी एक छोटे बच्चे से होती दिखाई जाती है और वे उसकी रक्षा का जिम्मा उठाती हैं। फिर अभिनेत्री ने रियलिटी शो जैसे खतरों के खिलाड़ी 10 और बिग बॉस 15 (जिसकी वह विजेता बनीं) में काम किया और उसके बाद वह नागिन 6 में नजर आई थी। इसी के साथ ही अभिनेत्री ने रोहित शेट्टी की मराठी फिल्म स्कूल कॉलेज आनी लाइफ से मराठी सिनेमा में डेब्यू किया।

रानी मुखर्जी की बहुप्रतीक्षित फिल्म मर्दानी 3 का पहला गाना बब्बर शेरनी जारी, गाने में दिखा अभिनेत्री दिलेर अंदाज

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी इन दिनों मर्दानी 3 को लेकर खूब चर्चा बटोर रही हैं। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म का ट्रेलर जारी हो चुका है जिसे फैंस के अलावा फिल्मों सितारों से भी वाहवाही मिली। पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के दमदार किरदार में रानी को दोबारा देखने के लिए लोग उत्साहित हैं। इस बीच, निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना बब्बर शेरनी जारी किया जिसमें अभिनेत्री का दिलेर अंदाज देखने को मिला है। बब्बर शेरनी गाना यशराज फिल्म्स के यूट्यूब चैनल पर जारी हुआ जिसे आवाज सार्थक कल्यानी ने दी है, जबकि लिरिक्स श्रुति शुक्ला ने लिखे हैं। निर्माताओं ने कुछ अलग न करते हुए गाने में फिल्म के विजुअल्स का इस्तेमाल किया है जिसमें रानी के अदम्य साहस और भावनाओं की झलक साफ नजर आती है। 'बब्बर शेरनी शीर्षक से आया यह गीत शिवानी की प्रभावशाली आभा को और मजबूत करता है और समाज की महिलाओं को 'बब्बर शेरनी के रूप में सलाम करता है। इस गीत को सार्थक कल्याणी ने कंपोज़, प्रोड्यूस और अरेंज किया है, इसके बोल श्रुति शुक्ला ने लिखे हैं और इसमें डी एमसी का तीखा और प्रभावशाली रैप सेगमेंट भी शामिल है। गीत के बारे में बात करते हुए रानी मुखर्जी ने कहा, 'बब्बर शेरनी फिल्म की आत्मा का एक सशक्त ध्वन्यात्मक रूप है। यह मर्दानी की अडिग भावना को पूरी ताक़त के साथ दर्शाता है और हमारे समाज की महिलाओं को 'बब्बर शेरनी के रूप में सम्मानित करता है। यह गीत कच्ची सच्चाई, दृढ़ संकल्प और अडिग साहस से भरा हुआ है — ठीक वैसे ही जैसे शिवानी शिवाजी रॉय का व्यक्तित्व। 'बब्बर शेरनी एक महिला की ताक़त, उसके संकल्प और समाज में बदलाव लाने की उसकी जिद को सलाम है। न्याय की अडिग भावना से प्रेरित यह गीत उनकी निडरता और फौलादी इरादों को दर्शाता है और उन तमाम महिलाओं का उत्सव मनाता है जो मुश्किल हालात में भी पीछे हटने से इनकार करती हैं। उन्होंने आगे कहा, यह सिर्फ एक प्रमोशनल ट्रैक नहीं है, बल्कि शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार का भावनात्मक और वैचारिक विस्तार है। यह गीत ताक़त, साहस और शांत आक्रोश को एक ऐसे आह्वान में ढालता है, जो इस बात को परिभाषित करता है कि असल मायनों में 'मर्दानी होने का अर्थ क्या है। 93 लापता लड़कियों को समय के खिलाफ जंग लड़ते हुए बचाने की इस कहानी को लेकर दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ रही है।मर्दानी 3 आयुष गुप्ता द्वारा लिखी गई है और इसका निर्देशन अभिराज मिनवाला ने किया है। फिल्म 30 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इमरान हाशमी की तस्करी ने नेटफ्लिक्स पर बनाया दबदबा, दुनिया भी हुई मुरीद

इमरान हाशमी की वेब सीरीज तस्करीः द स्मगलर वेब को लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इसके जरिए सीमा शुल्क कस्टम अधिकारियों की पेशेवर जिंदगी को पर्दे पर उतारा गया है जिसे देखने के बाद लोग इमरान के अभिनय के मुरीद हो चुके हैं। 14 जनवरी को रिलीज तस्करी ने ऐसा कारनामा कर दिखाया है जो नेटफ्लिक्स की अन्य हिंदी वेब सीरीज भी नहीं कर सकीं। इसने विश्वस्तर पर नंबर 1 गैर-अंग्रेजी शो बनने का रिकॉर्ड कायम किया है। टुडम पर मौजूद टॉप शो और फिल्मों की सूची के मुताबिक, तस्करीः द स्मगलर वेब नेटफ्लिक्स की ग्लोबल टॉप 10 गैर-अंग्रेजी टीवी सूची में नंबर 1 पर डेब्यू करने वाली पहली भारतीय सीरीज बन गई है। रिलीज के पहले ही हफ्ते में इसने 9 देशों में टॉप जगह हासिल की है, जबकि अन्य 23 देशों में टॉप 10 में शामिल हुई है। इस सफलता पर निर्देशक नीरज पांडे ने अपनी खुशी जाहिर की है। टुडम के मुताबिक, तस्करीः द स्मगलर वेब ने पहले हफ्ते की अवधि में 54 लाख व्यूज हासिल किए हैं, जो कोरियाई रोमांटिक कॉमेडी कैन दिस लव बी ट्रांसलेटेड? (40 लाख व्यूज) से काफी ज्यादा हैं। यह सफलता अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के बीच भारतीय कहानियों की बढ़ती मांग को दर्शाती है। सीरीज में इमरान मुख्य किरदार में हैं। उनके अलावा नंदीश सिंह संधू, जोया अफरोज, शरद केलकर, अमृता खानविलकर और अनुराग सिन्हा भी प्रमुख किरदारों में हैं।

एसएस राजामौली ने वाराणसी की रिलीज से उठाया पर्दा? नए पोस्ट ने दिया संकेत

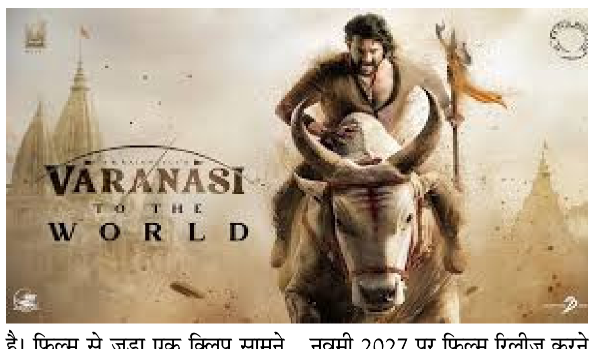

एसएस राजामौली आरआरआर की महासफलता के बाद अपनी अगली भव्य परियोजना के साथ लौट रहे हैं। फिल्म का नाम वाराणसी है, जिसका ऐलान 2025 में कर दिया गया था। महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म का हिस्सा हैं। इसके जरिए प्रियंका हिंदी सिनेमा में वापसी करेंगी। वाराणसी की रिलीज तारीख का ऐलान बाकी है, लेकिन निर्माताओं की हालिया पोस्ट ने इसे लेकर बड़ा संकेत दिया है। अटकलें हैं कि फिल्म 2027 में राम नवमी पर आ सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, वाराणसी राम नवमी के अवसर पर 9 अप्रैल, 2027 को रिलीज हो सकती है। फिल्म से जुड़ा एक क्लिप सामने आया है जिसमें त्रेतायुग, लंका नगरम, 7200 ईसा पूर्व के दृश्य दर्शाए गए हैं। वीडियो में हनुमान और अन्य को युद्ध करते दिखाया गया है। वीडियो ने राम नवमी 2027 पर फिल्म रिलीज करने की अफवाहों की पुष्टि कर दी है। चर्चा यह भी है कि निर्माता 26 जनवरी को आधिकारिक रिलीज तारीख का ऐलान करेंगे।

नौवें दिन भी चिरंजीवी की फिल्म ने की अच्छी कमाई, कम स्क्रीन के बावजूद प्रभास की राजा साब को पीछे छोड़ा

चिरंजीवी की फिल्म 'मन शंकर वरप्रसाद गारू इस पोंगल के त्योहार पर रिलीज हुई। रिलीज के वक्त इस फिल्म को कम स्क्रीन मिलीं क्योंकि इसी त्योहार के आस-पास तीन बड़े साउथ स्टार की फिल्में भी रिलीज हुईं। इन फिल्मों में प्रभास की द राजा साब, रवि तेजा की 'भरता महासयुलाकु विग्न्याप्ति और नवीन पोलीशेट्टी की 'अनगनगा ओका राजू जैसी फिल्में शामिल रहीं। इसके बावजूद भी चिरंजीवी स्टारर इस फिल्म ने एक अच्छी शुरुआत हासिल की और नौंवे दिन तक इसकी कमाई जारी है। बड़ी बात यह है कि कम स्क्रीन पर प्रदर्शित होने के बाद भी इसकी कमाई बाकी फिल्मों की तुलना में काफी ज्यादा है। चिरंजीवी स्टारर फिल्म 'मन शंकर वरप्रसाद गारू को ही त्योहार के मौके पर अच्छी ओपनिंग मिली थी। इस फिल्म ने पहले ही दिन 40 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए थे। वहीं इसके साथ रिलीज हुई सुपरस्टर प्रभास की फिल्म द राजा साब ने पहले दिन भले ही 47 करोड़ रुपये कमाए पर गौर करने वाली बात यह है कि ये फिल्म 440 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट में बनी थी। ऐसे में इस फिल्म के लिए 47 करोड़ की ओपनिंग बेहद कम मानी जाएगी। वहीं बात करें रवि तेजा की फिल्म 'भरता महासयुलाकु विग्न्याप्ति की तो इसने पहले दिन मात्र 2.6 करोड़ की ही कमाई की थी। जबकि, नवीन पोलीशेट्टी की फिल्म 'अनगनगा ओका राजू ने 7.25 करोड़ रुपये का ओपनिंग कलेक्शन किया था। फिल्म 'मन शंकर वर प्रसाद गारू 12 जनवरी यानी सोमवार को रिलीज हुई थी। वर्किंग डे होने के बावजूद पहले दिन फिल्म ने सारे शोज मिलाकर करीब 41.6 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को इसकी कमाई का ग्राफ नीचे आया। शुक्रवार को इसने एक बार फिर 20 करोड़ से ज्यादा कारोबार किया। अब नौवें दिन यानी दूसरे मंगलवार को फिल्म ने 5.75 करोड़ रुपये कमाए हैं। सैकनिल्क के मुताबिक तेलुगु बॉक्स आफिस पर इस फिल्म ने अब तक 171.65 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। वहीं वर्ल्डवाइड यह फिल्म करीब 245 करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं। फिल्म 'मन शंकर वर प्रसाद गारू में चिरंजीवी के अलावा वेकंटेश और नयनतारा लीड रोल में हैं। इसके अलावा कैथरीन ट्रेसा, जरीना वहाब और सचिन खेड़ेकर जैसे कलाकार भी इसमें नजर आए। फिल्म का निर्देशन अनिल रविपुड़ी ने किया है।

ओ रोमियो का ट्रेलर रिलीज, मोहब्बत बड़ी महंगी.. शाहिद कपूर और अविनाश तिवारी के बीच छिड़ी जंग, फंसीं तृप्ति डिमरी

शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर और फरीदा जलाल स्टारर क्राइम एक्शन ड्रामा ओ रोमियो का कत्लेआम करने वाला ट्रेलर रिलीज हो गया है. शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर धमाका करने के लिए तैयार हैं. ट्रेलर दर्शकों में फिल्म देखने का महौल पैदा करने वाला है. शाहिद कपूर का सनकी अंदाज और फिल्म के विलेन अविनाश तिवारी का एंगर ट्रेलर को रिच कर रहा है. दूसरी तरफ शाहिद और तृप्ति के बीच के नोकझोक वाली लव केमिस्ट्री भी फिल्म देखने पर मजबूर करने का काम कर रही है. 3.08 मिनट का ओ रोमियो का ट्रेलर रोमांटिक अंदाज से शुरू होता है और देखते ही देखते मारकाट और मारदाड़ में बदल जाता है. हर दूसरे सीन में शाहिद कपूर अपने दुश्मनों की गर्दन पर उस्तरा चलाते दिख रहे हैं. वहीं, नाना पाटेकर बंदूक लेकर शाहिद कपूर के पीछे पड़े हैं. तीसने प्लॉट में शाहिद कपूर का तृप्ति डिमरी के प्रति जबरन प्यार भी नजर आ रहा है. ट्रेलर में कुछ डायलॉग इंप्रेस करते हैं और गालियां भी सुनने को मिल रही है. शाहिद कपूर अपने किरदार में खूनमखान नजर आ रहे हैं और अविनाश तिवारी किसी बदले की आग में जलते दिख रहे हैं. अब शाहिद और अविनाशके बीच यह प्यार को लेकर जंग है या फिर बदमाशी की, यह तो फिल्म में देखने के बाद पता चलेगा. फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं सिनेमा के मास्टर स्टोरीटेलर विशाल भारद्वाज, जिनके साथ शाहिद कपूर की जोड़ी पहले भी 'हैदर और 'कमीने जैसी यादगार फिल्में दे चुकी है. फिल्म में शाहिद कपूर के साथ तृप्ति डिमरी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी, जिनकी मौजूदगी कहानी को और दिलचस्प बनाने का वादा करती है. इस फिल्म को नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहा है और इसे वैलेंटाइन वीक, यानी 13 फरवरी 2026 को रिलीज़ किया जाएगा. ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि 'ओ रोमियो सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि दर्शकों के लिए एक इंटेंस, अनप्रिडिक्टेबल और पैशनेट सिनेमैटिक जर्नी साबित होने वाली है.

Makhana to microchips, Republic Day to showcase India's story of growth

NEW DELHI,AGENCY: At the Rashtriya Rangshala Camp in Delhi Cantonment, the days leading up to Jan 26 are marked by constant activity. The smell of fresh paint hangs heavy in the air as the sound of construction echo across the parade ground. Artisans climb makeshift stairways, painters add final touches and workers carefully align massive structures.

Amid this controlled bustle, Republic Day tableaux are taking shape, with every frame, colour and detail preparing to tell captivating stories on Kartavya Path.

This year's Jan 26 parade marks 150 years of Vande Mataram, and its spirit runs through every creation. On Thursday, media witnessed around 30 tableaux in different stages of completion, each reflecting India's past, present and its aspirations. Nearly 10,000 people will soon watch them roll along Kartavya Path, while 2,500 artistes are set to perform, capping the visual spectacle on wheels.

One of the most striking displays is a tableau titled 'Operation Sindoor: Victory Through Jointness', which highlights India's military strength, with Rafale jets and Akash missiles on display. Nearby, Gujarat's tableau traces the journey of India from 1906 to 1947 under the theme of 'Vande Mataram', its structure anchored by a towering figure of Mahatma Gandhi.

Delhi's tableau pays tribute to the Prime Ministers' Museum while showcasing the capital's transformed skyline, featuring the new Parliament, Bharat

Mandapam, Signature Bridge and Yashobhoomi as symbols of a changing nation.

Other states, too, have brought their landscapes and legacies vividly to life. Bihar's tableau follows the journey of makhana - from pond to plate. "It took one month to make this whole thing," a carpenter said. Himachal Pradesh is honouring its 1,203 gallantry award winners and Punjab is reflecting the spiritual courage of Sri Guru Tegh Bahadur through their tableaux.

Ladakh showcases the engineering feat of Shyok Tunnel, Uttarakhand displays its traditional instruments and utensils, while J&K recreates the charm of a houseboat. Dancers from Tamil Nadu will perform mayilattam, also known as peacock dance. "A team of 17 members is here from Chennai to perform," said Jyotsana, adjusting her costume with a smile. Parasmal Solanki from Rajasthan will perform along with his 16-member team.

Nagaland's tableau features a massive hornbill. "We want everyone to know about Hornbill Festival," said Yangerla, a folk dancer. Jharkhand's tableau showcases the state's natural beauty and aims at attracting tourists, said Neha Agarwal, a state representative.

Karnataka's tableau, From Millets to Microchips, tells a story of holistic growth through scenes of a farmer family with millets, silicon crystals, a robot and a giant microchip - linking agriculture with technology and innovation. Assam has transformed terracotta into visual poetry. Chhattisgarh's tableau pays homage to tribal heroes like Veer Gunda Dhur and Veer Narayan Singh.

Union ministries have added their own narratives. The education tableau traces the evolution of India's knowledge from Aryabhatta's shunya (zero) to PM Shri schools. "All my team members and I are from different Kendriya Vidyalayas," said Elix Singh, a Class XI student.

A unique tableau designed by filmmaker Sanjay Leela Bhansali for the ministry of information and broadcasting depicts the evolution of storytelling - from its oral tradition to cinema. The panchayati raj tableau in the vicinity highlights the SVAMITA scheme.

MHA notifies Census 2027 schedule, lists 33 questions

NEW DELHI, AGENCY: The ministry of home affairs on Thursday notified the schedule for upcoming houselisting and housing phase of Census 2027, replicating each of the 33 questions that were proposed to be asked in Census 2021 before the pandemic forced its postponement.

The fields of information sought to be collected in the housing phase of Census, scheduled to be conducted between April 1 and Sept 30, include the building number; predominant material of floor, wall and roof of the census house; use of the census house and its condition; as well as household number.

Information will have to be furnished on total number of persons residing in the household, name and sex of the head of the

household; and if he/she belongs to the SC, ST or other category. Also included are fields pertaining to ownership status of the house; number of dwelling rooms in possession of the household; and number of married couples residing in the household.

As regards amenities, respondents will need to apprise the census authority - either digitally through the census app or during the enumerator's visit - of the main source of drinking water, main source of lighting, access to and type of latrine, waste water outlet and availability of bathing facility. Information will also be sought on availability of LPG or CNG connection in the household and the main fuel used for cooking. Household amenities and facilities to be mapped shall include transistor, radio, TV, internet access, mobile phone or smartphone; and mode of transport. Respondents will also need to share details of the main cereal consumed in the household. The mobile number of the household (head or any other) will be collected but used only for census-related communications.

Brazilian President dials PM Modi

Reaffirm India-Brazil partnership; discuss global issues

NEW DELHI , AGENCY: Prime Minister Narendra on Thursday had a telephonic exchange with Brazilian President Luiz Inacia Lula De Silva.

According to a statement by the ministry of external affairs, both the leaders reaffirmed their commitments to strengthen India-Brazil strategic partnership

"Prime Minister Narendra Modi received a telephone call today from the President of Brazil, Luiz Inácio Lula da Silva. The two leaders reaffirmed their commitment to further strengthen the India-Brazil Strategic Partnership and take it to even greater heights in the year ahead," MEA said.

"The leaders also exchanged views on regional and global issues of mutual interest. They also underscored the importance of reformed multilateralism in addressing shared challenges." it added. During the exchange, PM Modi also invited Lula to visit India at an early date.

Engineer shoots wife accidentally distressed by death, he kills self

AHMEDABAD,AGENCY: Congress Rajya Sabha MP Shaktisinh Gohil's nephew Yashrajsinh Gohil allegedly shot his wife "accidentally" in the head with a licensed revolver in their Ahmedabad flat late Wednesday and then turned the gun on himself, police said.

The shooting unfolded in their fifth-floor apartment between 10.30pm and midnight, ACP Jitendra Brahmbhatt said. Yashrajsinh (35) was a Class-I officer with Gujarat Maritime Board. He had married Rajeshwari (30) last Nov.

Citing a statement by Yashrajsinh's mother Devyaniba, cops said while the two were in the bedroom, a bullet accidentally discharged from Yashrajsinh's revolver and struck Rajeshwari at the base of her head.

Devyaniba said her son rushed to her room and said an ambu-

lance needed to be called. Police records indicate Yashrajsinh called 108 emergency ambulance service at 11.42pm. Paramedics arrived and declared Rajeshwari dead. According to Devyaniba's statement, Yashrajsinh appeared deeply shaken after hearing that his wife had died. Moments later, a gunshot was heard from the bedroom.

Low Vitamin D may worsen Dengue outcomes, global study raises questions for India

NEW DELHI,AGENCY: A clinical study from Colombia, published in the Indian Journal of Medical Research, the peer-reviewed journal of the Indian Council of Medical Research (ICMR), has found that low vitamin D levels are linked to more severe dengue, a finding with clear relevance for India, where both dengue and vitamin D deficiency are widespread.

Dengue remains a recurring public health challenge in the country, especially during the monsoon, when hospitals see sharp rises in patients with high fever, falling platelet counts and bleeding complications. While many recover with supportive care, a significant proportion deteriorate rapidly, and predicting severity remains difficult.

In the Colombian study, researchers analysed blood samples from nearly 100 laboratory-confirmed dengue patients, classified by disease

severity, and compared them with healthy individuals. They measured serum vitamin D levels along with miRNA-155, a molecule that regulates immune and inflammatory responses. Patients with milder dengue had higher vitamin D levels, while those with warning signs or severe disease showed significant deficiency.

At the same time, miRNA-155 levels rose steadily with increasing severity, indicating an exaggerated immune response. The study also found an inverse relationship between vitamin D and inflammatory markers such as TNF-alpha and interleukin-6, both linked to severe dengue and complications like dengue haemorrhagic fever.

Commenting on the findings, Dr R. Goswami, professor of endocrinology at the All India Institute of Medical Sciences, said the study strengthens earlier evidence linking low vitamin D with severe dengue, particularly dengue haemorrhagic fever. "What this study adds is a possible disease mechanism through microRNA-155, which is involved in immune dysregulation via Th1 and Th2 pathways," he said, adding that it is prudent to maintain normal levels.

Doctors say the findings resonate with Indian clinical experience. Dr Pankaj Soni, principal director (internal medicine) at Fortis Escorts Heart Institute, said low vitamin D is associated with bleeding and complications and may worsen inflammation and viral replication, making it a modifiable risk factor but not a treatment.

Triple talaq-halala FIR puts focus on legal grey area

NEW DELHI,AGENCY: When police in UP registered an FIR on Dec 9, 2025, it was not just another complaint under the 2019 Triple Talaq law. The allegations were shocking and went further, into a grey zone the law has never squarely addressed: What happens to women after talaq is pronounced.

According to the FIR filed in Amroha's Said Nagli, the woman, after being divorced through instant triple talaq, was pressured by her husband, her brother-in-law and clerics to undergo "halala" multiple times so she could be returned to the marriage. An exception that permits a divorced Muslim couple to remarry, the practice of halala often involves planned, short-term mar-

riages - even arranged one-time encounters - to facilitate consummation of the woman with another man, enabling the former couple to reunite.

The woman's complaint detailed the ordeal. She said she was "gang-raped under false pretenses of halala carried out under threats, intimidation and coercion".

Police have invoked the law banning instant triple talaq - sections 3 and 4 of the Muslim Women (Protection of Rights on Marriage) Act, 2019. Multiple provisions and relevant sections of BNS that deal with rape, aggravated hurt, criminal intimidation and criminal conspiracy, have also been added.

In the initial FIR, there are three accused: Her husband, his cousin and a hakim (traditional healer.) Since then, police have added more accused to the list.

Amroha police told media that one accused - her husband - had been arrested so far. "The FIR has been registered on the basis of a written complaint. Further action will depend on corroboration and evidence," SHO Vikas Sahrawat said. Amroha police are on the lookout for others on the run, he added.

This week, based on Zubaida's (name changed) age at the time of her marriage, police added multiple provisions of the Pocso Act to the FIR, expanding its scope. (The move, incidentally, also brings into focus an unresolved legal grey area, as Muslim personal law is not codified and does not prescribe a minimum age, instead linking marriageability to puberty. The issue remains unsettled by the Supreme Court so far, with courts in different states taking conflicting positions.)

The FIR covers several years of alleged abuse, assault and rape. Zubeida told police she was forcefully married off in 2015 at the age of 15, and subjected to pronouncements of instant triple talaq twice - once in 2015 and again in 2021, followed by three coerced reconciliation attempts through halala.